'राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

समाचार गेट

TITLE CODE : HARHIN11569

वर्ष 01, अंक 207 पृष्ठ 08 मूल्य 01 रूपए शनिवार, 12 अक्टूबर 2024 samachargate@gmail.com

जरूरी सूचना

सुधी पाठकों को सूचित किया जाता है कि समाचार गेट के नाम पर अगर कोई पत्रकार आपसे पैसे की मांग करता है तो कृपया 9212339503 पर संपर्क करें। समाचार गेट में कार्य कर रहे पत्रकार सिर्फ वही हैं जिनके नाम से खबर छपती हैं।

मुख्यमंत्री ने कुरुक्षेत्र में अनाज मंडियों का किया दौरा

किसानों की फसल का एक-एक दाना खरीदा जाएगा

मंडियों से धान के समय पर उठान के लिए संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं निर्देश

समाचार गेट ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि किसानों की फसल का एक-एक दाना खरीदा जायेगा। किसानों को तय समय में फसल खरीद का भुगतान भी सुनिश्चित किया जा रहा है।सरकार किसानों के हितो की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। मंडियों में किसानों को सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई हैं, ताकि उन्हें अपनी फसल बेचने में किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत न आए। साथ ही, मॉडियों से धान उठान का काम भी सुनिश्चित किया जायेगा। मुख्यमंत्री शुक्रवार को जिला कुरुक्षेत्र में पीपली, लाडवा व बबैन अनाज मॉडियों का दौरा कर रहे थे। वहां पहुंचने पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. जी अनुपमा, उपायुक्त श्री राजेश जोगपाल व पुलिस अधीक्षक श्री वरूण सिंगला ने मुख्यमंत्री को पुष्पगुच्छ देकर उनका अभिनंदन किया। इस मौके पर पूर्व राज्यमंत्री श्री सुभाष सुधा भी उपस्थित रहे।

नायब सिंह सैनी ने अनाज मंडी का दौरा करते हुए मॉइस्चर मीटर के माध्यम से धान की नमी भी चैक की। उन्होंने इस मौके पर किसानों, आढ़ती व यूनियन के पदाधिकारियों के साथ बातचीत करके धान के खरीद कार्य के बारे में जानकारी भी हासिल की। उन्होंने कहा कि तय पैरामीटर के अनुसार धान खरीद का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। धान के साथ-साथ बाजरे की भी सरकारी खरीद की जा रही है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने हरियाणा में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनने पर प्रदेशवासियों व कार्यकर्ताओं को बधाई भी दी और इसके लिए आमजन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस मौके पर कहा कि शपथ समारोह से पहले पूर्व घोषित वादे के अनुरूप 25 हजार पदों का रिजल्ट जल्द निकाल दिया जायेगा। कांग्रेस पार्टी पर तंज कसते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार और परिवारवाद के दलदल में फंसी हुई पार्टी है। पहले कई राज्यों में उन्होंने झूठ बोलकर सत्ता हासिल की थी, जिसमें हिमाचल, कर्नाटक व अन्य राज्य शामिल हैं। लोगों का कांग्रेस से विश्वास उठ चुका है।

किसानों व आढ़तियों की सुनी समस्याएं

मुख्यमंत्री ने धान खरीद कार्य का जायजा लेने के दौरान किसानों व आढ़तियों से सीधा संवाद करते हुए उनकी समस्याएं भी जानी। इस दौरान किसानों ने जीरी का उठान न होने बारे, आरओ न कटने बारे व अन्य समस्याएं रखीं। मुख्यमंत्री ने मौके पर ही सम्बंधित अधिकारियों को इन समस्याओं का निपटान करने के निर्देश देते हुए कहा कि मॉडियों में किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं आनी चाहिए। यदि कोई स्थानीय मिलरर्ज धान की खरीद या उठान नहीं कर रहा तो दूसरा कोई भी मिलर इस कार्य को कर सकता है। उन्होंने कहा कि कोई भी किसान किसी भी मंडी में जाकर अपनी फसल बेच सकता है। इस दौरान उन्होंने धान खरीद कार्य में लापरवाही करने वाले अधिकारियों को लताड़ लगाते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि किसानों को मॉडियों में किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। यदि कोई इस कार्य में लापरवाही बरतता है तो उसके खिलाफ तुरंत कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

हारने के बाद हार को स्वीकार ना करना कांग्रेस की पुरानी परम्परा : पंडित मोहन लाल बड़ौली

नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में 51 विधायकों के साथ भाजपा तीसरी बार सरकार बना रही है : पंडित मोहन लाल बड़ौली

कांग्रेस पर बड़ौली का तंज - बोले- कांग्रेस कितनी ही समीक्षा करें, सुधार इनमें होना नहीं है, क्योंकि ये सुधरना ही नहीं चाहते

समाचार गेट ब्यूरो

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने निर्दलीय विधायकों के भाजपा को समर्थन देने के बाद कहा है कि 51 की संख्या शुभ होती है और भाजपा अब मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में 51 विधायकों के साथ प्रदेश में तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। मोहन लाल बड़ौली ने कांग्रेस पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सुधरना ही नहीं चाहती। शुक्रवार को सोनीपत में पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री बड़ौली ने कहा कि भाजपा की जीत 36 बिरादरी और सर्वसमाज की जीत है। हरियाणा की जनता ने इतिहास रचते हुए भाजपा को स्पष्ट बहुमत दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के 48 विधायक चुनाव जीते हैं और 3 निर्दलीय विधायकों ने समर्थन दिया है।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए कहा कि हारने के बाद अपनी हार को स्वीकार ना करना कांग्रेस की पुरानी परम्परा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में गुटबाजी है और जनता भी जानती है कि कांग्रेस के लोग आपस में सिर फोड़ते रहते हैं। पत्रकार के सवाल पर पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि कांग्रेस के लोग समीक्षा करते रहेंगे, सुधार कांग्रेस के लोगों में होना नहीं है, क्योंकि ये लोग अपनी आदत को सुधारना ही नहीं चाहते।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिल में हरियाणा बसता है। भाजपा की यह प्रचंड जीत जनता के प्यार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों की जीत है। भाजपा के कार्यकर्ताओं की प्रशंसा करते हुए श्री बड़ौली ने कहा कि हमारे लाखों कार्यकर्ताओं ने दिन-रात चुनाव में कड़ी मेहनत की है और उसी कड़ी मेहनत का परिणाम है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिला और हम तीसरी बार सरकार बनाने जा रहे हैं। पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि तीन निर्दलीय विधायकों ने भी भाजपा को अपना समर्थन दिया है। हिसार से सावित्रि जिंदल, बहादुरगढ़ से राजेश जून और गन्नौर से देवेंद्र कादियान ने भाजपा को समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि 51 का अंक शुभ है और हम 51 विधायकों के साथ सरकार बनाने जा रहे हैं।

किसानों की फसल का एक-एक दाना खरीदने के लिए भाजपा सरकार संकल्पबद्ध : ज्ञानचंद गुप्ता

विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने विधायक शक्ति रानी शर्मा के साथ पंचकूला और कालका की मंडियों का दौरा कर खरीद व्यवस्था का जायजा लिया

ज्ञानचंद गुप्ता ने उपायुक्त को खरीद प्रक्रिया में मिली खामियों को तुरंत दुरूस्त करने के दिए निर्देश

समाचार गेट ब्यूरो

पंचकूला। हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने शुक्रवार को कालका, रायपुरानी, बरवाला एवं पंचकूला में अनाज मॉडियों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने धान की खरीद व्यवस्था का जायजा लिया और किसानों व आढ़तियों से बातचीत की। श्री गुप्ता ने खरीद प्रक्रिया में मिली खामियों को तुरंत दुरूस्त करने के आदेश अधिकारियों को दिए। विधानसभा अध्यक्ष ने उपायुक्त डॉ यश गर्ग को भी जरूरी दिशा निर्देश दिए और कहा कि मंडी में प्रशासन की ओर शिविर लगाकर किसानों की समस्याओं को दूर किया जाए। इस मौके पर कालका से विधायक शक्तिरानी शर्मा भी मौजूद रही।

ज्ञानचंद गुप्ता ने धान की फसल की क्वालिटी की भी जांच की और कट्टों में भरे धान का मापतौल भी किया। उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों को कहा कि मेरी फसल, मेरा पोर्टल को लेकर किसानों को अगर कोई दिक्कत या परेशानी आती है तो उसका भी निदान किया जाए। उन्होंने कहा कि अन्नदाताओं को मंडी में किसी तरह की परेशानियों का सामना ना करना पड़े इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने यह भी कहा कि किसानों की फसल का उठान और पेमेंट भी समय पर होना चाहिए।

किसानों से बातचीत करते हुए ज्ञानचंद गुप्ता ने कहा कि अन्नदाताओं का एक-एक दाना एमएसपी पर खरीदा जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार किसान हितैषी सरकार है और किसानों को समृद्ध और सशक्त बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने किसानों की सभी फसलों को एमएसपी पर खरीदने की जो गारंटी दी है उसे संकल्प के साथ पूरा किया जाएगा। श्री गुप्ता ने कहा कि भाजपा जो कहती है वह करके दिखाती है।

किसानों को विश्वास दिलाते हुए ज्ञानचंद गुप्ता ने कहा कि मॉडियों में किसानों को कोई भी समस्याएं नहीं आएंगी। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने भी कहा है कि किसानों की फसल का एक-एक दाना सरकार एमएसपी पर खरीदेगी।

इस मौके पर उपायुक्त डॉ यश गर्ग, भाजपा जिला अध्यक्ष दीपक शर्मा, भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा, उपाध्यक्ष संदीप यादव, रंजीता मेहता, पार्षद जय कौशिक, जिला प्रशासन के कर्मचारी एवं भाजपा नेता उपस्थित रहे।

दशहरा के अवसर पर फरीदाबाद पुलिस के पुख्ता सुरक्षा इंतजाम

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। बता दे कि 12 अक्टूबर को भारतवर्ष में दशहरा (विजयदशमी) का पर्व मनाया जा रहा है। पुलिस आयुक्त ओमप्रकाश नरवाल IPS, ने विजयदशमी के शुभ अवसर पर शहरवासियों को शुभकामनाएं देते हुए विजयदशमी पर्व को हर्षोल्लास के साथ साथ शांतिपूर्वक तरीके से मनाने की अपील की है। पुलिस आयुक्त के दिशा-निर्देशानुसार सुरक्षा व्यवस्था के मध्यनजर जिला फरीदाबाद के सभी आयोजन स्थलों पर पुलिसकर्मियों की ड्युटिया लगाई गई है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि हर वर्ष फरीदाबाद में विभिन्न स्थानों पर दशहरा (विजयदशमी) के अवसर पर रावणदहन किया जाता है इस दौरान लोगो की भीड एकत्रित होती है। जिला फरीदाबाद में मुख्य स्थान कम्युनिटी सेन्टर सेक्टर-37, बंगाल सूटिंग रेंज दशहरा ग्राउंड, दशहरा ग्राउंड सेक्टर-16, दुर्गा बिल्डर नवीन नगर, बरही तलाब ओल्ड फरीदाबाद, मंगल बाजार नजदीक मंडी खेडी पुल, दशहरा ग्राउंड NIT, खुला मैदान नजदीक गोलचक्कर सुरजकुण्ड, सिनेमा साईट ग्रीन फिल्ड कॉलोनी, दशहरा ग्राउंड नजदीक अग्रवाल स्कूल सेक्टर-8, दशहरा ग्राउंड बल्लाबगढ़ पर काफी संख्या में भीड एकत्रित होती है। फरीदाबाद पुलिस द्वारा छोटे व बडे सभी आयोजन स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था के बंदोबस्त किए गए है। प्रत्येक जोन उपायुक्त द्वारा अपने क्षेत्राधिकार में आयोजन स्थलो पर ड्युटियां लगाई जाएगी। प्रत्येक बडे आयोजन स्थल पर कम से कम 5 से 6 द्वार बनाए जाएगे, आयोजन स्थलों पर वाहनों के प्रवेश को रोकने के लिए पर्याप्त संख्या में नाकाबंदी व बैरिकेडिंग की जाएगी। आयोजन स्थलों से उचित दूरी पर वाहन पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी। असामाजिक तत्वों पर निगरानी के लिए सादे कपडों में पुलिसकर्मी नियुक्त किए जाएगे। इसके अतिरिक्त कानून व्यवस्था के मध्यनजर 1 कम्पनी व 5 प्लाटून को रिजर्व रखा गया है व जानमाल की सुरक्षा मध्यनजर आयोजन स्थलो पर एम्बूलेंस व फायर ब्रिगेड तैनात रहेगे। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर फरीदाबाद पुलिस की पैनी नजर रहेगी, भडकाऊ या संप्रदायिक सद्भावनाओं बारे पोस्ट करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रक्तदान से बढ़कर कोई दान नहीं: अजय जोनेजा

जोनेजा फाऊडेंशन ने रोटरी क्लब ऑफ फरीदाबाद कॉस्मोपॉलिटन के साथ मिलकर लगाया रक्तदान शिविर

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। जोनेजा फाऊडेंशन और रोटरी क्लब ऑफ फरीदाबाद कॉस्मोपॉलिटन, के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन सेक्टर-24 स्थित जोनेजा ब्राइट स्टील प्रा0. लि0.में लगाया गया। यह शिविर जोनेजा फांऊडेशन के चेयरमेन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर अजय जोनेजा के जन्मदिन की खुशी में लगाया गया। इस मौके पर प्रेम पसरीचा अध्यक्ष रोटरी ब्लड बैंक, राहुल सलूजा अध्यक्ष रोटरी क्लब ऑफ फरीदाबाद कॉस्मोपॉलिटन, दीपक प्रसाद, पी एल जोनेजा जी,जसप्रीत सिंह, ज्योति जोनेजा व अमन गोयल मौजूद थे।इस अवसर पर प्रेम पसरीचा, राहुल सलूजा, दीपक प्रसाद ने कहा कि अजय जोनेजा की जितनी भी तारीफ की जाए वो कम है क्योंकि उन्होनें अपने जन्मदिन पर रक्तदान शिविर लगाकर ऐसे लोगों के जीवन के बारे में सोचा जो रक्त की कमी के कारण काल का ग्रास ना बन सकें। उन्होनें कहा रक्तादाताओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि स्वेच्छा से किया गया रक्तदान एक मनुष्य का दूसरे जरूरतमंद मनुष्य को दिए जाने वाला सबसे अनमोल तोहफा है। जोकि अनमोल व अतुलनीय होता है। अजय जुनेजा ने कहा कि रक्तदान से बढ़कर कोई दान नहीं है। उन्होनें शिविर में पहुंचे रक्तादाताओं की प्रंशसा करते हुए कहा कि परोपकार की भावना से किया गया कार्य हमेशा सफलता की और अग्रसर करता है। उन्होनें कहा कि रक्त का इस दुनिया में कोई विकल्प नहीं है इसलिए वे हर वर्ष अपने जन्मदिन पर समाज की सेवा के लिए एक रक्तदान शिविर लगाकर और उसमें स्वंय रक्त देकर उसे एक श्रेष्ठ दिन बनाते है। उन्होनें कहा कि हमें अधिक से अधिक रक्तदान करना चाहिए ताकि किसी की जिन्दगी बचाई जा सके। इस अवसर पर रक्तादाताओं को सर्टिफीकेट, मेडॅल व उपहार देकर सम्मानित किया गया।

आईटीआई फरीदाबाद में 16 अक्टूबर को अप्रेंटिसशिप व रोजगार मेले का होगा आयोजन: उपायुक्त विक्रम सिंह

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। उपायुक्त विक्रम सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग हरियाणा के आदेश अनुसार हरियाणा राज्य में स्थित सभी राजकीय आईटीआई में रोजगार मेलों व अप्रेंटिस मेलों का आयोजन किया जा रहा है। इसी संबंध में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान फरीदाबाद में आगामी 16 अक्टूबर 2024 को अप्रेंटिसशिप एवं रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मेले में फरीदाबाद व पलवल के औद्योगिक क्षेत्र के विभिन्न उद्योग भाग ले रहे हैं। विभिन्न उद्योगों ने अपनी मांग आईटीआई फरीदाबाद की शिक्षुता एवं प्लेसमेंट सेल को दी है। आईटीआई फरीदाबाद के प्रधानाचार्य भगत सिंह ने बताया है कि इस मांग में उनको अधिकतर आईटीआई पास फिटर, टर्नर, वेल्डर, मशीनिस्ट, इलेक्ट्रीशियन, इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक, कोपा, मोटर मैकेनिक व्हीकल, इत्यादि ट्रेडों के अभ्यर्थियों की रोजगार एवं अप्रेंटिसशिप के लिए जरूरत है। रोजगार एवं अप्रेंटिसशिप पाने के इच्छुक अभ्यार्थी 16 अक्टूबर 2024 को आईटीआई फरीदाबाद की शिक्षुता एवं प्लेसमेंट सेल में आकर सुबह 9:00 बजे संपर्क कर सकते हैं। इस रोजगार मेले में अधिक से अधिक छात्रों को अप्रेंटिसशिप एवं रोजगार दिलवाया जाएगा, और भविष्य में भी इस तरह के रोजगार मेलों का आयोजन किया जाता रहेगा।

धान की खरीद कार्य में लापरवाही बरतने पर 2 कर्मचारी सस्पेंड

समाचार गेट ब्यूरो

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि मॉडियों में धान खरीद कार्य में किसानों व आढ़तियों को किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं आनी चाहिए। किसानों की धान जैसे ही मंडी में आती है उसे सम्बन्धित एजेंसी नियमों के तहत खरीदना सुनिश्चित करे। धान खरीद कार्य में लाडवा में लापरवाही बरतने के मामले में हैफेड के मैनेजर/इंस्पेक्टर कुलदीप जांगडा को व डीएफएससी विभाग के इंस्पेक्टर संदीप अहलावत को सस्पेंड करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री आज पिपली, लाडवा व बाबैन मंडी का दौरा कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अनाज मंडी का दौरा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि धान खरीद का कार्य सुचारू रूप से हो और उसकी लिफटिंग भी समयबद्ध तरीके से होनी चाहिए। किसानों को उनकी फसलों की अदायगी भी निर्धारित समय पर होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि किसानों व आढ़तियों को सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए ताकि किसानों को मॉडियों में अपनी फसलों को बेचने में किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो। उन्होंने यह भी कहा कि सम्बन्धित अधिकारी यह भी सुनिश्चित करे कि मंडी में जैसे ही किसान अपनी धान की फसल लेकर आता है उसकी धान एमएसपी पर खरीदी जाए।

वाहन चोरी करने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। पुलिस उपायुक्त अपराध हेमेन्द्र कुमार के द्वारा शहर में अपराधिक गतिविधियों में शामिल आरोपियों की धर-पकड़ के लिए दिए गए दिशा-निर्देश पर कार्रवाई करते हुए अपराध शाखा सेक्टर-56 की टीम ने वाहन चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी सागर जिला पलवल के होडल का रहने वाला है। जिसको अपराध शाखा टीम ने अपने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना पर मैट्रो फ्लैट सेक्टर-56 से मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी से पूछताछ में सामने आया की आरोपी ने मोटरसाइकिल को औद्योगिक सोसायटी FIT, सेक्टर-57 एरिया से चोरी किया था। आरोपी खुद भी औद्योगिक सोसायटी FIT में नौकरी करता था। जिसका मामला थाना सेक्टर-58 में दर्ज है। आरोपी FIT एरिया की वर्कशॉप में नौकरी करता है। आरोपी ने मोटरसाइकिल को लालच में आकर चोरी किया था। आरोपी को पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर जेल भेजा गया।

विधायक मूलचंद ने वृंदावन बांके बिहारी के किये दर्शन और लिया आशीर्वाद

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। हरियाणा के निर्वतमान कैबिनेट मंत्री और बल्लबगढ़ से नवनिर्वाचित विधायक पंडित मूलचंद शर्मा ने वृंदावन बांके बिहारी धाम पहुंचकर आशीर्वाद लिया और सभी के लिए सुख समृद्धि की प्रार्थना की। नवनिर्वाचित विधायक पं. मूलचंद शर्मा ने हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी के पूर्ण बहुमत आने पर भगवान श्री बांके बिहारी जी का धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भगवान श्री बांके बिहारी जी के आशीर्वाद से भारतीय जनता पार्टी की सरकार हरियाणा के लोगों की उम्मीदो पर खरा उतरने का काम करेगी और हरियाणा प्रदेश को विकास के पथ पर आगे लेकर चलेगी।

बच्चों के विकास में हो रही देरी को समझें और ले जाएं उन्हें सफलता के रास्ते पर

हर बच्चे को स्नेह, प्रोत्साहन और सहारे की जरूरत होती है। खासतौर से जिन बच्चों के विकास में थोड़ी देरी हो रही है, उनके लिए यह और भी जरूरी हो जाता है, क्योंकि इस तरह के सकारात्मक सहयोग के जरिए ही यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि ऐसे बच्चे भी बड़े होकर आत्मविश्वास से भरपूर होंगे, उनके भीतर खुद की क्षमताओं को समझने की ताकत होगी और विषम परिस्थितियों के बाद भी उनके अंदर आगे बढ़ने का दृढ़ संकल्प होगा। बालपन की शुरुआत में ही बच्चे के बोलने, चलने, खुद का ख्याल रखने, खेलने जैसी कुछ क्रियात्मक बातों पर ध्यान देकर पैरेंट्स यह नोटिस कर सकते हैं कि बच्चे का विकास मानकों के अनुरूप हो रहा है कि नहीं। इसके अलावा इंटेलेक्चुअल डिसेबलिटी भी एक ऐसी स्थिति है, जिसकी शुरुआत बालपन में होती है और जिसमें बच्चे के सीखने ओर समझने की सीमित क्षमताओं को पहचाना जा सकता है। ज्यादा गंभीर स्थिति वाले मामलों की पहचान बच्चे के जन्म के पहले साल के अंदर ही हो जाती है। कम गंभीर मामलों में बच्चे के संज्ञानात्मक विकास पर पड़ रहे असर का पहला लक्षण स्कूल की शुरुआत में हो रही दिक्कतों के जरिए पहचाना जा सकता है। उदाहरण के लिए, अगर बच्चे को पढ़ने में या गणित के सवालों को हल करने में दिक्कत हो रही है, तो इस बात को नोटिस किया जा सकता है। कुछ पैरेंट्स यह भी नोटिस कर सकते हैं कि उनके एक बच्चे का डिवेलपमेंट दूसरे बच्चे के मुकाबले धीमे हो रहा है। एक तरह से देखा जाए, तो पहले बच्चे के व्यवहार को देखकर यह पता चलता है कि उसका विकास सही तरीके से नहीं हो रहा है और फिर अंततः वह स्थिति आती है, जिसमें डॉक्टर की मदद लेनी पड़ती है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि बाद में बच्चे के विकास में और किस किस तरह की अड़चनें आ सकती है। पैरेंट्स होने के नाते आपको सबसे पहला काम यह पता लगाने का है कि आपका बच्चा किस तरीके से सबसे जल्दी और बेहतर ढंग से सीखता है।

विजुअल लर्नर

इसके जरिए यह पता लगाया जा सकता है कि क्या बच्चा चीजों को देखकर, पढ़कर या डाइग्राम, मैप्स, ड्रॉइंग आदि के जरिए पिक्चराइज करके चीजों को सीखता है और तब ज्यादा अच्छा काम करता है, जब मटीरियल उसके सामने रखा जाए और जिसे वह देखकर महसूस कर सके, न कि सुनकर।

ऑडिटरी लर्नर: इसमें बच्चा सुनकर ज्यादा बेहतर काम करता है, लेक्चर बेस्ड माहौल में जल्दी सीखता है। क्लासरूम डिस्कशन, मौखिक निर्देश और स्टडी ग्रुप्स के जरिए उसे फायदा मिलता है।

काइनेस्थेटिक लर्नर: इसमें बच्चा मूव करके और खुद से काम करके सीखता है, खुद अपने हाथों से की जाने वाली एक्टिविटीज, लैब क्लासेज, प्रॉप, स्किट्स और फील्ड ट्रिप्स से उसे लाभ मिलता है।

बच्चों को आगे बढ़ने में मदद

ऐसे में जल्द से जल्द हस्तक्षेप करने और सही समय पर बच्चे को स्कूल में दाखिल करवाने की जरुरत होती है, ताकि बच्चे के इंटेलेक्चुअल लेवल में सुधार हो और वह अपने निर्धारित लक्ष्य को हासिल करने के लिए आगे बढ़ सके। जिन बच्चों को जल्द सीखने में किसी तरह की दिक्कत आती है, ऐसे बच्चों को मजबूती से उभारने और उनके अंदर लचीलापन लाने के लिए उनकी मदद के रास्ते तलाशना जरूरी है। लर्निंग डिसेबलिटी से जुड़ी समस्याएं केवल अच्छे बर्ताव से हल नहीं होगी, लेकिन इससे आपके बच्चे के अंदर एक नई उम्मीद जगेगी और उसका भरोसा बढ़ेगा, जिससे उसे आगे बढ़ने में मदद मिलेगी और भविष्य में वह भी सफलता के पथ पर अग्रसर हो सकेगा। संज्ञानात्मक विकलांगता यानी कॉग्नेटिव डिसेबलिटी की वजह आमतौर पर प्रसव के पूर्व, प्रसव के दौरान और प्रसव के बाद के कारकों पर निर्भर करती है। प्रसव पूर्व के कारणों में जेनेटिक विषमता, इन्फेक्शंस, सेंट्रल नर्वस सिस्टम में गड़बड़ी, डाउन सिंड्रोम और ऐसे तत्वों के संपर्क में आना, जो बच्चे के जन्म पर प्रभाव डालते हैं, शामिल है। बच्चे के अंदर इंटेलेक्चुअल डिसेबिलिटी पैदा होने के ये सबसे प्रमुख जेनेटिक कारण हैं। प्रसवकालीन कारणों में जानलेवा कुपोषण, प्रीमैच्योरिटी और ब्रेन में ऑक्सिजन की सप्लाई में कमी जैसी वजहें प्रमुख हैं.

कॉग्नेटिव डिसेबलिटी को दूर करने के लिए थैरेपीज

प्रसव बाद के कारणों में कई तरह के इन्फेक्शंस, घुटन, एक्सिडेंटल और नॉन एक्सिडेंटल ट्रॉमा, ब्रेन डैमेज, सीएनएस ट्यूमर आदि प्रमुख हैं। इन कारकों की वजह से बच्चे के अंदर पैदा हुई कॉग्नेटिव डिसेबलिटी को दूर करने में कई तरह की थैरेपीज और सर्विसेज मददगार साबित हो सकती हैं। इनमें नर्सिंग सर्विसेज, ऑक्यूपेशनल थैरेपी, फिजिकल थैरेपी, एडाप्टिव उपकरण, स्पीच और लैंग्वेज थैरेपी, न्यूट्रिशनल काउंसिलिंग, ऑडियोलॉजी सर्विसेज, साइकोलॉजिकल हस्तक्षेप, रीक्रिएशन थैरेपी और सोशल वर्क सर्विसेज जैसी थैरेपीज और सर्विसेज शामिल है। इनके अलावा स्पेशल एजुकेशन टीचर्स भी बच्चे को एजुकेशनल सर्विसेज मुहैया करा सकते हैं। कई बार सतर्कता में कमी, सीखने में दिक्कत, बोलने में दिक्कत या व्यापक विकासशील विकारों को इंटेलेक्चुअल डिसेबिलिटी समझ लिया जाता है, जबकि केवल 5 पर्सेंट आबादी में ही संज्ञानात्मक कमी देखी जाती है और इनमें से ज्यादातर लोग माइल्ड रेंज डेफिसिट कैटेगरी यानी ऐसी कैटेगरी में आते हैं, जिनमें डिसेबिलिटी बेहद गंभीर नहीं होती।

डॉ. नूपुर गुप्ता, कंसल्टेंट ऑब्स्टट्रिशन एंड गाइनोकोलॉजिस्ट

रेसिपी

अंजीर का हलवा

सामग्री

- सूखे अंजीर- 100 ग्राम
- घी- 2 चम्मच
- मिल्क पाउडर- 1 चम्मच
- चीनी- 2 चम्मच
- इलायची पाउडर- 1/4 चम्मच
- दूध- 1 कप

गार्निशिंग के लिए

- सूखे मेवे की कतरन और चांदी का वर्क

विधि

सबसे पहले अंजीर को दूध में भिगो दें फिर मिक्सी में पीस लें। अब नॉनस्टिक पैन को गर्म करके उसमें घी गर्म करें। अंजीर वाले मिश्रण को पैन में डालकर अच्छी तरह से भून लें। मिश्रण में अब मिल्क पाउडर और चीनी मिलाएं। जब चीनी घुल जाए तो इलायची पाउडर मिलाकर गैस बंद कर दें। तैयार हलवे को सर्विंग बाउल में निकालकर उसके ऊपर बादाम की कतरन डालेंऔर ऊपर से चांदी का वर्क लगाकर अंजीर का हलवा सर्व करें ।

सूजी बर्फी

सामग्री

- तिल - 150 ग्राम
- सूजी - 180 ग्राम
- चीनी - 225 ग्राम
- घी - 125 ग्राम
- पिस्ता - 1 टेबल स्पून
- बादाम - 1 टेबल स्पून
- घी - 2 टेबल स्पून
- इलायची पाउडर - 1 छोटी चम्मच

विधि

तिल सूजी की बर्फी बनाने के लिए सबसे पहले तिल भून लीजिए। इसके लिए पैन गरम कीजिए। इसमें तिल डालकर लगातार चलाते हुए तब तक तिल को भूनिए जब उसका रंग हल्का सा बदलने लगे और वह हल्का सा फूलने लगे। भुने तिल को प्लेट में निकाल लीजिए। अब कढ़ाही में घी डालकर इसमें सूजी डाल दीजिए और सूजी को लगातार चलाते हुए धीमी से मध्यम आंच पर हल्की ब्राउन होने और अच्छी महक आने तक भून लीजिए। सूजी भुन जाने पर इसे भी प्लेट में निकाल लीजिए। पिस्तों को पतला-पतला काट लीजिए और बादाम को भी बारीक काटकर तैयार कर लीजिए।

चाशनी बनाएं : पैन में चीनी और कप पानी डालकर चीनी के पानी में घुलने के बाद 1 से 2 मिनिट तक पकाएं। जब चाशनी में से तार निकलने लगे तो समझ लीजिए चाशनी बनकर के तैयार है। इलायची पाउडर और बारीक कटे हुए बादाम डालकर अच्छे से मिक्स कीजिए। एक थाली को थोड़े से घी से चिकना कीजिए। मिश्रण को थाली में डालकर फैलाइए और बारीक कटे हुए पिस्तों से इसे सजा दीजिए। बर्फी को ठंडा होने के लिए रख दीजिए। मिश्रण के जम जाने पर इसे चाकू की सहायता से अपने मनपसंद आकार के टुकड़ों में काट सर्व करें

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-4-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। शुभ कार्यों का तत्काल फल मिलेगा। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेगी। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): प्रतिष्ठा बढ़ने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी। शुभांक-5-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-8-9

काकुरो पहेली - 3319

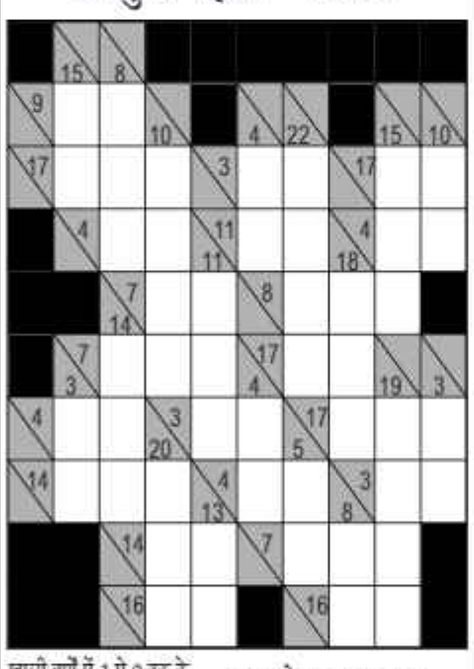

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो -3318 का हल

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमिका : मेरे होंठ गुलाब की पंखुड़ी जैसे हैं ना।
प्रेमी : हाँ।
प्रेमिका : मेरी आँखें कमल के फूल जैसी हैं ना?
प्रेमी : हाँ।
प्रेमिका : मेरी आवाज कोयल जैसी है ना?
प्रेमी : हाँ।
प्रेमिका : मेरी चाल मोरनी जैसी है ना?
प्रेमी : हाँ।
प्रेमिका : ओह! तुम कितनी अच्छी बातें करते हो।

□ □ □

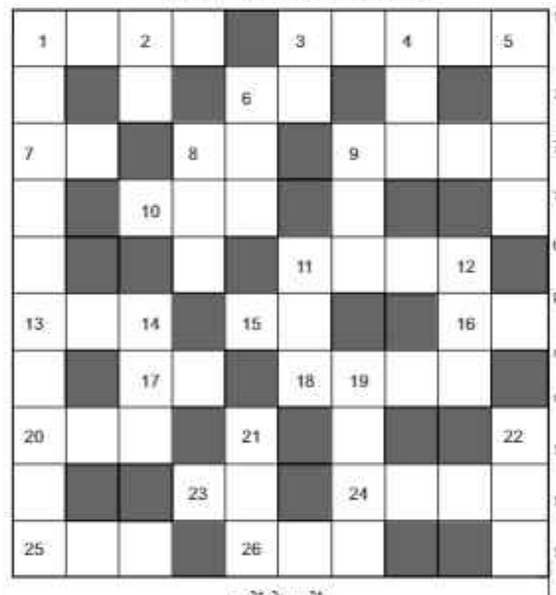

एक दिलफेंक आशिक ने एक युवती को पकड़ा और सरेआम किस कर दिया।
युवती बोली- तुमने ये क्या किया?
युवक- तो इसे कहते हैं डायरेक्ट मार्केटिंग।
युवती ने युवक का कॉलर जोर से पकड़ा और खींचकर एक जोर का चाँटा रसीद कर दिया।
युवक- अब ये क्या था?
युवती- इसे कहते हैं कस्टमर फीडबैक।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3319

बायें से दायें:-

१. इमरान हाशमी, दीपल शॉ को 'क्योंकि इतना प्यार' गीत वाली फिल्म-४
३. 'सौ दर्द हैं सौ राहतें' गीत वाली प्रीती, सलमान, अक्षय की फिल्म-२,१,२
६. आमिर खान, माधुरी दीक्षित की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
७. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली अमिताभ, मनोज की फिल्म-२
८. मोहित अहलावत, निशा की 'धीमी धीमी सी जिंदगी' गीतवाली फिल्म-२
९. 'ये मुलाकात एक बहाना है' गीत वाली जीतेंद्र, सुलक्षणा की फिल्म-४
१०. अनिलकपूर, स्मिता की 'आसमान छू हो मेरे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'एक था बचपन' गीत वाली अशोक कुमार, संजीव, सुमिता की फिल्म-४
१३. सनी, मीनाक्षी शेषाद्रि की 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा बत्रा की फिल्म-२
१६. नसीर, जैकी, शिल्पा, की 'लड़का लड़की से' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं ऐसा क्यों हूँ' गीत वाली अमिताभ, ऋतिक की फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, लीना की 'दुनिया ने मुझको समझा नाकाम' गीत वाली फिल्म-४
२०. 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली अनिलकपूर, पूनम की फिल्म-३
२३. संजयदत्त, उर्मिला की 'ये जान ले ले रे' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'प्यार मुझसे जो किया' गीत वाली फारूख शेख, दीप्ति की फिल्म-२,२
२५. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'दूल्हा दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'चोरी चोरी जब नजरें मिली' गीत वाली बॉबी देओल, नेहा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'मितवा, कहे धड़कने तुझसे' गीत वाली अमिताभ, शाहरूख, जॉन, अभिषेक, काजोल की फिल्म-२,४,१,३
२. अजय, अभिषेक, रानी, करीना, 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' गीत वाली फिल्म-२
३. 'एक लड़की बस गई' गीत वाली सनी देओल, उब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
४. राहुल खन्ना, जॉन, मिथुन, लारा, अमीषा की 'बेचैन मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-३
५. 'कश पे कश लगाने दे' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२
६. ऋषि कपूर, शाहरूख, दिव्या की 'ऐसी दीवानगी देखी नहीं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'तुम्हारे प्यार में' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, आशा की फिल्म-३
९. नाना, सलमान, मनीषा, सीमा की 'आज मैं ऊपर आसमां नीचे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मेरी बनो की आएगी' गीत वाली जैकी, जूही, अमृतासिंह की फिल्म-३
१२. अक्षय खन्ना, सोनाली बेंद्रे की 'सावन बरसे तरसे दिल' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'दूध का कर्ज' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी?-३
१९. जैकी श्रॉफ मोहसिन खान, नीलम की 'दे दो दे दो मुझे दिल' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली संजय दत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२२. गिरीश कर्नाड, स्मिता पाटिल की 'म्हारो गाँव काथियावाड़' गीत वाली श्याम बेनेगल निर्देशित फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3318

सूडोकु -3319

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3318 का हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

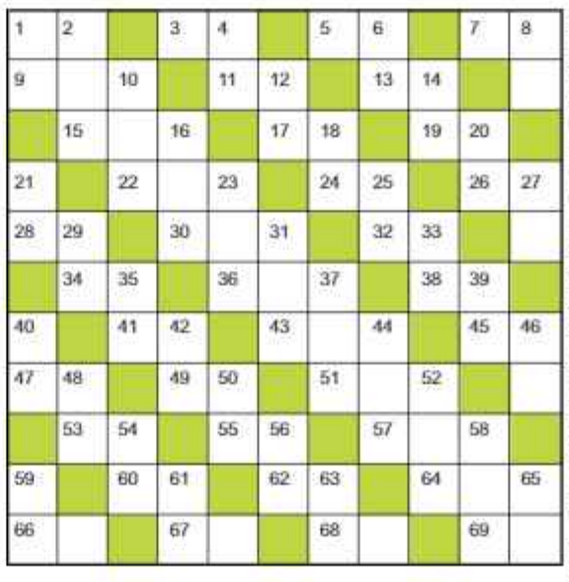

शब्द पहेली - 3319

बाएं से दाएं

1.होठ,अधर-2
3.बड़ी सवारी गाड़ी-2
5.डोर-2
7.हरे रंग का-2
9.शक,संदेह-3
11.विस्फोटक -2
13.बड़ी नाली-2
15.नमस्कार,नमस्ते-3
17.प्राण-2
19.लक्ष्मी,कमला-2
22.बल,दम-3
24.ठाठ-बाट-2
26.पिता-2
28.कसर-2
30.कुमारी,तरुणी-3
32.जी,चित-2
34.नाखून-2
36.पढ़ने वाला-3
38.उद्देश्य-2
41.मोटा आटा-2
43.नामित-3
45.नर का विलोम-2
47.उर्वरक-2
49.भीगा हुआ-2
51.गिरवी वस्तु-3
53.मनमौजी-2
55.सम्मान-2
57.ले जाने वाला-3
60.आनंद,मजा-2
62.दोस्त,सखा-2
64.निर्माण-3
66.सदैव,हमेशा-2
67.नेत्र,नयन-2
68.आकाश,गगन-2
69.लाख,गोंद-2

ऊपर से नीचे

1.प्यार (अंग्रेजी-2)
2.भगिनी,दीदी-3
4.सभी-2
6.गीत गायन-2
8.मार्ग,रास्ता-2
10.मां का दुलार-3
12.आनंद,रस-2
14.थूक,लेस-2
16.अनुकृति-3
18.सरूर,खुमार-2
20.मां,मदर-2
21.घ्राणेंद्रिय-2
23.चरण तल-3
25.भीगा हुआ-2
27.देह,काया-2
29.मछली-2
31.नृत्य करना-3
33.टोंटी,नलका-2
35.गधा,गर्दभ-2
37.कटि-3
39.माफी-2
40.दोस्त,मित्र-2
42.वायु,गैस-2
44.कॉफी-3
46.मूल्य-2
48.जोर,बल-2
50.लक्ष्मी-2
52.जलमार्ग-3
54.स्थिति-2
56.नवीन-2
58.कूड़ा-3
59.नौकर-2
61.सत्य-2
63.दौड़ना-2
65.गर्भनाड़ी-2

शब्द पहेली -3318 का हल

बिजली कर्मचारियों ने डीएचबीवीएन के एसई जितेन्द्र ढूल के खिलाफ किया प्रदर्शन

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। डीएचबीवीएन के एसई जितेन्द्र ढूल द्वारा मांगों को जानबूझकर लटकाने और उसके तानाशाही रवैए के खिलाफ बिजली कर्मचारियों ने शुक्रवार को बल्लभगढ़ डिवीजन पर इकाई प्रधान रामकेश साहरण की अध्यक्षता में आक्रोश प्रदर्शन किया। ऑल हरियाणा पावर कारपोरेशनज वर्कर यूनियन द्वारा एसई जितेन्द्र ढूल के रवैए एवं मांगों के समाधान न करने के खिलाफ बिजली कर्मचारियों के सर्कल में चल रहे आंदोलन की अगली कड़ी में 14 अक्टूबर को एनआईटी व 15 अक्टूबर को ग्रेटर फरीदाबाद डिवीजन पर प्रदर्शन किए जाएंगे। इसके बावजूद मांगों का समाधान नहीं हुआ तो 18 अक्टूबर को एसई आफिस पर प्रदर्शन किया जाएगा और उसी दिन अगले आंदोलन का ऐलान किया जाएगा। यूनिट सेकेट्री धर्मेन्द्र तेवतिया द्वारा संचालित प्रदर्शन में बल्लभगढ़ डिवीजन की सभी सब डिवीजन से सैकड़ों की संख्या में कर्मचारियों ने भाग लिया और एसई की तानाशाही एवं कर्मचारियों की लंबित मांगों का समाधान न करने के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आक्रोश प्रदर्शन किया। ऑल हरियाणा पावर कारपोरेशनज वर्कर यूनियन के राज्य वरिष्ठ उपाध्यक्ष शब्बीर अहमद गनी व सर्कल सचिव कृष्ण कुमार कालीरमन ने धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा कि यूनियन ने लंबित मांगों का मांग पत्र बातचीत के द्वारा समाधान करने के लिए एसई जितेन्द्र ढूल को सौंपा था। समाधान न होने पर रिमाइंडर दिए। लेकिन जब कोई कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन का नोटिस दिया गया। लेकिन एसई ने बातचीत करने की बजाय एक्सईएन से बातचीत करने के फरमान जारी कर दिए। जबकि मांगों का समाधान एसई के द्वारा किया जाना है।

उन्होंने कहा कि सैकड़ों की संख्या में निगम में ठेका कर्मचारी काम कर रहे हैं और उनके 125 रुपए प्रतिमाह माह स्वास्थ्य सुविधा देने के नाम पर नवम्बर,2023 से कटौती की जा रही है। लेकिन ना तो कौशल रोजगार निगम और ना ही बिजली निगम ठेका कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं। सर्कल आफिस में कर्मचारियों के सेवा संबंधी कार्य लटके हुए हैं। लेकिन उनका समाधान नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि निगम के अधिकारियों की वजह से कच्चे कर्मचारियों को वेतन बढ़ोतरी का लाभ तक नहीं मिल रहा है। कच्चे कर्मचारियों का ना तो ठीक से वेतन फिक्स किया गया है और ना ही अनुभव के आधार पर उन्हें वेतन मिल रहा है।

अनेकों प्रकार कि समस्याएं मौजूदा अधिकारियों द्वारा पैदा किए जा रही है,पुरानी समस्याओं का निपटान करने कि बजाय। जिससे फरीदाबाद सर्कल के कर्मचारियों में भारी रोष है। धरना-प्रदर्शन को उपरोक्त के अलावा यूनिट प्रधान भूप सिंह कौशिक, दिनेश शर्मा, सचिव प्रवेश बैंसला,वेद प्रकाश कर्दम, प्रहलाद किशोर गोयल, पंकज कुमार, वेदप्रकाश शर्मा, नवीन रावत,सुनिल शर्मा, हीरो, धर्मेन्द्र रावत,नरेश कुमार, सुबोध कुमार, अंकित कुमार,आदि ने संबोधित किया।

बल्लभगढ़ अनाज मंडी का नवनिर्वाचित विधायक ने किया निरीक्षण

धान खरीदी को लेकर दिए निर्देश; बोले- समय पर करें किसानों का पेमेंट

समाचार गेट/संजय शर्मा

बल्लबगढ़। फरीदाबाद में पूर्व कैबिनेट मंत्री और बल्लभगढ़ से तीसरी बार के नवनिर्वाचित विधायक मूलचंद शर्मा ने अनाज मंडी का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने किसानों की समस्याओं को सुना और अधिकारियों को निर्देश दिए। विधायक मूलचंद शर्मा ने कहा की ये किसान हितैषी सरकार है, किसी भी किसान को कोई परेशानी नही आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि धान का एक एक दाना खरीदा जायेगा जाएगा। नवनिर्वाचित विधायक मूलचंद शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए है कि बल्लभगढ़ मंडी में किसानों को कोई भी परेशानी नहीं आने दी जाए। उनका धान का एक-एक दाना समय से खरीद कर मंडी से उठाने का काम करें। उन्होंने कहा कि दीपावली का पर्व नजदीक है। सभी किसानों को उनकी फसल की पेमेंट समय पर देने का काम करें। इस मौके पर डीसी विक्रम सिंह, एसडीएम मयंक भारद्वाज, मंडी सचिव इंद्रपाल, एसीपी विनोद कुमार सहित मंडी और खरीद एजेंसी के अधिकारी, आढ़ती और किसान मौजूद रहे।

फरीदाबाद में कार्यालय सील होने पर भड़के कांग्रेसी नेता

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। फरीदाबाद में हाई कोर्ट के आदेश के बाद नगर निगम ने शुक्रवार को सेक्टर 9 व 10 डिवाइडिंग रोड और सेक्टर 11 व 12 डिवाइडिंग रोड के पीछे की तरफ दरवाजा करके कमर्शियल एक्टिविटी करने वाले रेजिडेंस और ऑफिस को सीलिंग की कार्रवाई की है। नगर निगम के ज्वाइंट कमिश्नर वीरेंद्र ने बताया कि यह आदेश हाईकोर्ट की तरफ से दी गई है। सभी को पहले ही नोटिस दे दिया गया था, जिन्होंने अभी तक रेसिडेंस और ऑफिस के दूसरी तरफ के दरवाजे को बंद नहीं किया है उन्हें आज सील किया जा रहा है। इस कार्रवाई के बाद कोई भी सीलिंग को खोलने की कोशिश करता है तो उस पर एफआईआर भी दर्ज करवाई जाएगी। वही सीलिंग के कार्रवाई में कांग्रेस के दो कार्यालय सील होने पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने कहा की राजनीतिक षड्यंत्र के तहत यह सीलिंग करवाई गई है। सुमित गौड और वेदपाल दायमा ने कहा कि पिक एंड चूज के तहत कार्रवाई की जा रही है, कई ऐसे ढाबे हैं जिन्हें इन्होंने सील नहीं किया सिर्फ हमारे कार्यालय को ही सील कर दिया है। यह नगर निगम के अधिकारी भाजपा के लोगों के इशारे पर काम कर रहे हैं उन्हीं के इशारे पर कांग्रेस पार्टी के कार्यालय को सील करवाया है।

विधायक राजेश नागर ने तिगांव अनाज मंडी में दौरा कर अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश

बोले, धान बाजरा लेकर आ रहे किसानों को किसी प्रकार की तकलीफ ना होने पाए

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। तिगांव से भाजपा विधायक राजेश नागर ने आज तिगांव अनाज मंडी का दौरा कर अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। उन्होंने यहां धान और बाजरा खरीद कर ला रहे किसानों से बात की और उनके सुझाव जाने। हालांकि अधिकांश किसानों ने सामान्य बातें ही कीं, लेकिन नागर ने अधिकारियों को स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसान भाइयों को किसी प्रकार की तकलीफ नहीं होनी चाहिए। इसके लिए समस्त व्यवस्था बनाएं। विशेष तौर पर अनाज को जल्दी से जल्दी तुलान करने और उनके पीने के लिए पानी की व्यवस्था समुचित रहे। विधायक राजेश नागर आज तिगांव अनाज मंडी में किसान भाइयों के साथ बातचीत कर उन्हें तीसरी बार भाजपा की सरकार बनने पर धन्यवाद व्यक्त कर रहे थे। नागर ने कहा कि भाजपा ने हर वर्ग के लिए काम किया है और आगे भी सभी के लिए काम करेंगे। हमारी सरकार बनाने में किसान, मजदूर, युवा, महिला सभी का बराबर का योगदान है। सभी ने प्रधानमन्त्री मोदी की नीतियों का समर्थन किया है और भाजपा के उम्मीदवारों को बढ़-चढ़कर साथ दिया है। इन चुनाव ने एक बार फिर यह बता दिया है कि भाजपा समस्त समाज की बात करती है और सभी के विकास की बात करती है। राजेश नागर ने कहा कि किसान हमारा अन्नदाता है और जब वह अपने खून पसीने से कमाए अनाज को लेकर मंडी में आए तो उसको किसी प्रकार की तकलीफ नहीं होनी चाहिए। इसके लिए अनाज मंडी में अनाज उतारने, उसकी तौल करने की पूरी व्यवस्था सहज सरल होनी चाहिए। इसके अलावा किसानों के बैठने और खाने-पीने की जगह भी भरपूर होनी चाहिए। राजेश नागर ने मौजूद अधिकारियों से कहा कि वह स्वयं समस्त व्यवस्था को देखें और केवल कर्मचारियों के भरोसे ना बैठे रहें। नागर ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी किसान, मजदूर को किसी प्रकार की तकलीफ को बर्दाश्त नहीं करेंगे। हम भी इसीलिए ग्राउंड पर जाकर लोगों से उनके हालात जानने आए हैं और अगले तीन महीने में पूरे तिगांव क्षेत्र में बदलाव नजर आएंगे। इस अवसर पर एसडीएम शिखा, अजब चंदीला, विक्की नागर, जगबीर नंबरदार, कर्मवीर अधाना, देवराज गोयल, मांगे गोयल, उदय नरवत, श्रीपाल शर्मा आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

गेहूं और सरसों की कृषि पद्धतियों पर प्रशिक्षण शिविर आयोजित

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र भूपानी फरीदाबाद में गेहूं और सरसों की कृषि पद्धतियों पर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक आर.बी.गुप्ता व बागवानी विभाग के पूर्व निदेशक डॉ. बी.एस.सहरावत मौजूद थे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। डॉ. बी.एस. सहरावत ने जीएपी के माध्यम से किसानों की आय को दोगुना करने के बारे में जानकारी दी। डॉ. विनोद मोहन ने गेहूं की फसल के बारे में विस्तृत जानकारी दी। डॉ. राजेंद्र कुमार ने सरसों की फसल के बारे में बताया। डॉ. मनोज कुमार ने गेहूं और सरसों के पौध संरक्षण के बारे में जानकारी दी। लोकेंद्र कुमार ने डीएएल उत्पादों के डेमो के बारे में बताया। जितेंद्र कुमार ने मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन एवं उर्वरता के बारे में जानकारी दी।

विधायक सतीश फागना ने दिए नगर निगम अधिकारियों को सख्त दिशा निर्देश

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। एनआईटी विधानसभा से नवनिर्वाचित भाजपा विधायक सतीश फागना ने आज नगर निगम के एसई,एक्सईएन ,एसडीओ जेई आदि अधिकारियों की बैठक बुलाई और उन्हें सख्त लहजे में 24 घंटे में कार्यवाही का अल्टीमेटम दिया। विधायक सतीश फागना ने सीवरेज की समस्या को लेकर नगर निगम अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि 24 घंटे में उन्हें एनआईटी क्षेत्र में सीवरेज की समस्या का समाधान चाहिए। इसके साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में भी प्राथमिकता के आधार पर अधिकारी सीवरेज की समस्या का जल्द से जल्द निदान करें। उन्होंने तीखे तेवर दिखाते हुए कहा कि अधिकारी अब दफ्तरों में बैठने की बजाय फील्ड में नजर आएं। अगर अधिकारी फील्ड में नजर आएंगे तो निश्चित रूप से समस्याओं से अवगत भी होंगे और उनका समाधान भी हो पाएगा। साथ ही उन्होंने नक्शे के साथ एन आई टी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में सीवरेज व पीने के पानी की समस्या का कैसे निदान किया जा सकता है, इस पर अधिकारियों के साथ चर्चा की। उन्होंने वार्ड वाइज सीवर समस्या का 24 घंटे के अंदर समाधान देने के लिए अधिकारियों को कही उन्होंने कहा कि अधिकारी एक बात समझ लें कि यदि वे उन्हें या जनता को झूठ बोलकर भ्रमित करने का प्रयास करेंगे तो निलंबन के लिए तैयार रहे। कार्य में कोताही किसी भी प्रकार से बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने इस मामले में सभी अधिकारियों से कहा कि आप आम जनता का फोन उठाएं ताकि वह आपको अपनी समस्या से अवगत करा सके और आप उनका समाधान तुरंत करवा सको साथ ही उन्होंने कहा कि नगर निगम के अधिकारी तालमेल के साथ काम करें ताकि जनता की समस्याओं का समाधान हो सके। उन्होंने कहा कि एन आई टी विधान सभा से सीवरेज की समस्या का समाधान करवाना उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जो भी अधिकारी अपने काम में लापरवाही बरतेगा तो किसी भी हालत में उन्हे बख्शा नहीं जाएगा। इस दौरान सतीश फागना ने अधिकारियों को सीवरेज समस्या को लेकर दिशा निर्देश दिए। भाजपा विधायक सतीश फागना ने कहा कि उन्हें 5 साल एन आई टी की जनता ने विधायक के रूप में दिए है और वे खुद सडकों पर उतरकर जनता के इस विश्वास पर खरा उतरेंगे। इस मौके पर उनके साथ साथ वरिष्ठ भाजपा नेता कविंद्र चौधरी, की वर्तमान पार्षद मुकेश डागर आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नवरात्रों के आठवें दिन महारानी वैष्णो देवी मंदिर में हुई माता महागौरी की भव्य पूजा

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। नवरात्रों के आठवें दिन माता महारानी वैष्णो देवी मंदिर में महागौरी माता की भव्य पूजा अर्चना की गई. मंदिर संस्थान के प्रधान जगदीश भाटिया ने पूजा अर्चना का शुभारंभ कराया। इस अवसर पर मंदिर में माता रानी के दर्शन करने वालों की संख्या काफी अधिक थी। श्रद्धालुओं ने मंदिर में पहुंचकर माता रानी के सामने अपनी अरदास लगाई। इस पवित्र मौके पर मंदिर संस्थान के प्रधान जगदीश भाटिया ने आए हुए सभी श्रद्धालुओं को अष्टमी की बधाई दी. इस मौके पर श्री भाटिया ने भक्तों को माता महागौरी की महिमा से अवगत करवाया। श्री भाटिया ने कहा कि नवरात्रि के आठवें दिन महागौरी देवी की आराधना की जाती है। इनके नाम से ही स्पष्ट है कि इनका स्वरूप पूरी तरह से गौर है। इनकी तुलना शंख, चंद्रमा और कुंद के पुष्प से की गई है। मां महागौरी की चार भुजाएं हैं. मां का ऊपरी दायां हाथ अभय मुद्रा में स्थित है, जबकि नीचे वाले हाथ में त्रिशूल है, ऊपर वाले बाएं हाथ में डमरू है और नीचे वाला बायां हाथ वर मुद्रा में है. मां की मुद्रा अत्यंत शांत है. मां भगवान शिव को अपने पति के रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या कर रही थीं, जिसके परिणामस्वरूप उनका शरीर तपस्या के कारण काला पड़ गया था। इसके बाद, मां ने अपने काले रंग को गौर वर्ण में परिवर्तित करने के लिए पुनः तपस्या की. मां की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उनके रंग को कांतिमय बना दिया, जिससे मां का रूप फिर से गौर हो गया. इसी कारण से मां के इस स्वरूप को महागौरी कहा जाता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, मां पार्वती ने भगवान शिव को प्राप्त करने के लिए कई हजार वर्षों तक कठोर तप किया। इस तप के दौरान उन्होंने जल और अन्न का सेवन नहीं किया, जिसके कारण उनका शरीर काला हो गया। मां पार्वती की तपस्या से प्रभावित होकर भगवान शिव ने उन्हें अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार किया। महादेव ने तपस्या के समय उनके शरीर के काले पड़ने के कारण उन्हें गंगा जल से शुद्ध किया, जिसके परिणामस्वरूप उनका शरीर पुनः चमकदार हो गया. गंगा जल के प्रभाव से उनका रंग सफेद हो गया, जिससे उन्हें महागौरी के नाम से जाना जाने लगा।

संपादकीय

सपना...! अपने लिए नहीं देश के लिए देखा

रत्न टाटा हैं कौन और क्या करते हैं, वे तब पता चला जब हम टीनएज में थे और अचानक न्यूज आने लगी कि अब बस एक लाख रुपये में कार मिलने वाली है।

नरवीर यादव
कार्यकारी संपादक

तब साईकल से घूमने वाला मैं सोचता था कि अच्छा, एक लाख इतने कम होते हैं एक कार के लिए किसब ख़ुश हो जाएं?

टाटा साहब मुम्बई से शुरुआती पढ़ाई करके बाहर निकले तो सीधे अमेरिका पहुँचे। वहाँ एक कल्चर है कि जो मिडिल क्लास भी सस्ती टिकाऊ सेकंड हैंड ही सही पर कार ज़रूर रखता है। वे दृश्य लेकर रत्न जी जब टाटा नगर प्लांट पर काम करने आए, तो मज़दूरों का ट्रांसपोर्टेशन देख उनका दिल पिघल गया।

1962 की बात करें अपने देश में तब साइकल भी बड़ी चीज़ थी। लोग या तो पैदल सफ़र करते थे या रेल भरोसे।

तो किफ़ायती कार लाने का सपना रत्न टाटा ने बहुत पहले देखा था। उनको ऐसा लगता था कि अगर मैं एक रिज़नेबल दाम में चार पहिया ले आऊँ तो हर घर में टाटा कार पहुँच सकेगी।

अमूमन व्यापारी मुनाफ़ा देखते हैं, बड़े सपने देखते हैं, बड़े मर्जर देखते हैं पर टाटा साहब की आदत थी कि वो लोगों को देखते थे। ज़रूरतें देखते थे। टाटा के जैगुआर लैंड रोवर से मर्जर की ख़बरें भी बहुत उछली थीं। फ़िर टाटा मर्सडीज भी लेकर आए थे जो सन 2000 के आसपास शायद 25 लाख की थी।

लेकिन 2008-09 में टाटा नैनो का आना हर मध्यमवर्गीय 10,000 से नीचे की तनख़्वाह पाने वाले की आँखें चमकाने वाली ख़बर थी। टाटा नैनो आयी भी, शुरुआत में ख़ूब बिकी भी, लेकिन फ़िर सस्टेन न हो सकी।

इसका कारण बहुत सिम्पल था। मेरी माँ बहुत ख़ुश होकर बोली थीं कि लखटकिया कार आ गयी है, अब तो हम भी ले लेंगे। लेकिन उन्होंने कभी नहीं ली। जो इतने सक्षम थे कि खड़े पैर लाख रुपये देकर कार ख़रीद लेते, उन्होंने लोन लेकर दूसरी गाड़ियाँ लीं पर नैनो नहीं ली। नतीजतन, एक सुंदर, क्यूट पर थोड़ी तंग और जटिल गाड़ी धीरे धीरे बिकनी बन्द हो गयी।

लेकिन रत्न टाटा का हौसला नहीं टूटा। एक समय आया जब उन्होंने कम्पनी सायरस मिस्त्री को हैंडओवर कर दी। ये भी अपने आप में एक न्यूज थी कि पहली बार टाटा समूह का चेयरपर्सन कोई टाटा नहीं बल्कि मिस्त्री हुआ। हालाँकि सायरस से कम्पनी नहीं सम्भली। फ़िर वह ख़ुद भी न रहे।

लेकिन ख़ासकर नैनो को लेकर रत्न टाटा साहब ने एक शिकायत भी की थी और वो यूँ थी कि ओला कैब्स टाटा मोटर्स से बार बार अनुरोध कर रहे थे कि हमें सेंट्रो और नैनो गाड़ियाँ क़रीब 10,000 पीस चाहिए पर टाटा की तरफ से कोई कायदे का जवाब नहीं मिला। जबकि मारुति सुज़ुकी की मार्केटिंग सेल्स टीम दिन रात ओला के पीछे लगी थी, जिसका परिणाम रहा कि वैगन आर और स्विफ्ट डिज़ायर अब कोई आम आदमी ख़रीदता ही नहीं क्योंकि वो कैब वालों की गाड़ियाँ लगती हैं।

ओला के फाउंडर भावेश अग्रवाल ने बताया था कि वो 10,000 से बढ़ाकर डेढ़ लाख नैनो और सेंट्रो का कॉन्ट्रैक्ट करना चाहता था पर ... ख़ैर, मिस्त्री ने सफ़ाई में बस इतना कहा था कि तब वो उबर के साथ डील कर रहे थे और ओला का प्रोपोज़ल उबर के मुक़ाबले बहुत छोटा था। बहरहाल, न माया मिली न राम! ओला ने मारुति का हाथ थामा और उबर ने टाटा से कोई डील नहीं की। नतीजतन, नैनो और सेंट्रो दोनों ही बन्द हो गईं।

पर ख़ुशी की बात कि पिछले साल ख़बर मिली कि नैनो इलेक्ट्रिक फॉर्म में आयेगी और बाकी हर इलेक्ट्रिक कार से बेहतर होगी। मैं इंतेज़ार तो ऐसे कर रहा हूँ जैसे ले ही लूँगा।

पर सच बताऊँ तो मुझे इन्तज़ार नैनो से ज़्यादा रत्न टाटा साहब के उस सपने का है, जो उन्होंने अपने लिए नहीं देश के लिए देखा। ऐसे आदमी का सपना सच होना ही चाहिए। जो आदमी कभी हार न माने, जो बिज़नेसमैन कमाई का बड़ा हिस्सा नम्बर वन बनने में नहीं बल्कि परोपकार में ख़र्च करे, जो उद्योगपति ताज की रिपेयरिंग पर एक कोटेशन सिर्फ़ इसलिए रिजेक्ट कर दे कि ये देश के ख़िलाफ़ है, तो ऐसे आदमी का सपना सच होना ही चाहिए। टाटा नैनो 2.0 हिट होनी चाहिए।

यूँ भी, 28 दिसंबर को जन्म लेने वालों के सपने कहाँ रुकते हैं, देर सबेर पूरे होते ही हैं। टाटा साहब अपनी उम्र पूरी करके गए, अब उनके सपने को पूरी उम्र मिलेगी। दुनिया कहती है कि आदमी की पहचान उसके काम से होती है, उसके धंधे से होती है पर टाटा साहब की पहचान उनके आचरण से थी और हमेशा रहेगी।

सहर की फेसबुक वॉल से!

होडल बीजेपी विधायक हरेंद्र रामरतन आए एक्शन मोड़ में किया मंडी का निरीक्षण कर किसानों की समस्याओं से हुए रूबरू

समाचार गेट/हरिओम भारद्वाज

होडल। बीजेपी के नवनिर्वाचित विधायक हरेंद्र रामरतन ने शुक्रवार को होडल अनाज मॉंडियों में पहुंचकर बिक्री के लिए पहुंची धान एवं कपास की फसल की ढेरियों का निरीक्षण किया। विधायक ने मंडी में फसल आने वाले किसानों से बिक्री संबंधित व उनको होने वाली समस्याओ से रूबरू होकर उनसे पूछताछ की। इस अवसर पर विधायक हरेंद्र सिंह रामरतन के साथ शीशपाल कड्डन, मंडल अध्यक्ष प्रेमराज तंवर, मंडी प्रधान लखविंदर सिंह, जगबीर चौहान, मोनू कालड़ा, पार्षद नीरज सौरोत, भगत सिंह, राजेंद्र सिंह, राजू पूर्व मेंबर, दिनेश कुमार, अजीत सिंह सहित काफी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे। मंडी पहुंचने पर मार्केट कमेटी सचिव वीरेंद्र सिंह व आढतियों के द्वारा उनका फूल माला एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। भाजपा विधायक ने मंडी में बिकने वाली फसल के रेट एवं बिक्री के बारे में भी किसानों से पूछताछ की तथा उन्होंने मंडी अधिकारियों से कहा कि किसानों को फसल बेचने और उनको मिलने वाली सुविधाओं में किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर किसानों ने बीजेपी विधायक को बताया कि 10 दिन बीत चुके हैं, लेकिन मंडी में अभी तक एजेंसियों द्वारा धान की खरीद शुरू में की गई, जिसके कारण किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, मामले को सुनते ही उन्होंने मार्केट कमेटी सचिव को मौके पर बुलाकर खरीद संबंधित जानकारी ली और कहा कि मंडी में मानकों के अनुसार शीघ्र खरीद शुरू कराएं और किसानों को किसी प्रकार की परेशानियों का सामना ना करना पड़े। अगर इस मामले में किसी प्रकार की कोताही बरती गई तो विभागीय कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर हरेंद्र रामरतन ने अधिकारियों को निर्देश दिए की मंडी में व्याप्त सभी समस्याओं से किसानों व आढतियों को जल्द से जल्द निजात दिलाए। इसके अलावा उन्होंने बिजली निगम के अधिकारियों से कहा की मंडी में लाइट की व्यवस्था को दुरुस्त करें और जो बिजली के तार ढीले है उन्हे भी जल्द से जल्द ठीक कराकर टाइट करने का काम करे।

आरती राव को डिप्टी स्पीकर बनाने को लॉबिंग शुरू

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह की पुत्री एवं अटेली हलके से नव निर्वाचित विधायक आरती सिंह राव को डिप्टी सीएम बनाया जा सकता है। क्षेत्र की जनता के साथ-साथ राव भी पूरी पैरवी कर रहे हैं। आमजन का मानना है कि डिप्टी सीएम बनने के बाद दक्षिण हरियाणा में चैधर वापिस आएगी। राव इंद्रजीत सिंह ने विधानसभा चुनाव में जिन प्रत्याशियों को टिकट दिलाने के साथ-साथ चुनाव प्रचार किया था। उन्हें जीत दिलाने के बाद राव एक्शन मोड में आ गए हैं। 2014 व 2019 के विस चुनाव में भी प्रदेश में भाजपा सरकार बनाने में अहीरवाल ने अहम रोल अदा किया था। 2024 के चुनाव में दक्षिण हरियाणा से आशानुरूप सीटे जीतने के बाद दावेदारी ओर प्रबल हो गई है। ईधर राव समर्थक आरती सिंह की जीत की खुशी में आए दिन मिठाई बांटकर खुशी जता रहे हैं। छितरोली में कुलदीप धनखड, नरेंद्र शास्त्री, सूबेदार सुखबीर सिंह, भडफ के महेंद्र सिंह, सरपंच पूनम, करीरा के अजय कुमार,लालचंद, कर्मबीर मानपुरा, सुरेश,करतार सिंह, प्रताप सिंह,राजकुमार, बाबूलाल, अमर सिंह,गुढा के सुनील कुमार नम्बरदार,नरेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार में अहीरवाल को उचित प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। विधानसभा चुनाव में केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के नेतृत्व में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं शिक्षा मंत्री प्रो रामबिलास शर्मा, पूर्व विधायक सीताराम यादव की ओर से पसीना बहाया गया है। दक्षिण हरियाणा की अधिकांश सीटें जीतने के बाद पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की ओर से उचित प्रतिनिधित्व दिया जाना चाहिए। आरती राव को डिप्टी सीएम बनाने के लिए लॉबिंग शुरू हो गई है।

हनुमान जी ने संजीवन बूटी लाकर लक्ष्मण के प्राण बचाए

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी दशहरा के पावन पर्व पर श्री रामलीला कमेटी के कलाकारों द्वारा वीरवार की रात्रि को रावण-अंगद संवाद एवं लक्ष्मण मूर्छा की लीला का बेहतरीन मंचन किया गया। प्रभू श्रीराम जी की लीलाओं के मंचन को देखने के लिए जबरदस्त भीड उमड रही है। प्रभू श्रीराम की सोच थी कि युद्ध ना हो और बातचीत से ही रावण से मामला निपट जाए। युद्ध हुआ तो लाखों निरअपराधों की जान जाएगी। इसीलिए वे रावण को समझाने का एक और मौका देते हैं और किशकिंधा के युवराज अंगद को अपना संदेशवाहक बनाकर लंका में भेजते हैं ताकि वह रावण को अ'छी तरह से समझा सके। उस समय के महान इंजीनीयरों नल एवं नील ने समुंद्र में पत्थरों से बेहतरीन पुल का निर्माण किया। ताकि इस पुल के माध्यम से प्रभू श्रीराम अपनी सेना के साथ आसानी से लंका पर चढाई कर सकें। लंका पहुंचने के बाद अंगद को आदर सहित रावण के दरबार में ले जाया गया। अंगद ने लंकेश को काफी समझाया के वह प्रभू श्रीराम जी के चरणों में जाकर गिर जाए और अपने अपराधों की क्षमा मांग ले। प्रभू श्रीराम बडे ही सरल हृदय हैं और वे उसके सारे अपराधों को माफ कर देंगें। लेकिन रावण नहीं मानता है। अंगद ने रावण से कहा कि वह प्रभू श्रीराम जी की सेना का सबसे दुर्बल इंसान है। और वह अपनी ताकत का छोटा से नमूना दिखाना चाहता है। अंगद ने रावण से कहा कि वह अपना पैर जमीन पर टिका रहा है यदि उसका कोई भी योद्धा उसके पैर को जमीन से उठा देगा तो प्रभू श्रीराम जी की हार और रावण की जीत हो जाएगी। रावण ने अंगद की शर्त को मंजूर कर लिया।

रावण का एक भी योद्धा अंगद के पैर को जमीन से उठाना तो दूर की बात है पैर को हिला तक नहीं पाया। अंत में रावण ने अंगद के पैर को जमीन से उठाना चाहा तो अंगद अपने पैर को हटा लेता है और कहता है कि यदि तूझे पैर ही पकडने हैं तो प्रभू श्रीराम जी के पैर पकड वो तेरे सारे अपराध माफ कर देंगें। यहां से अंगद युद्ध का ऐलान करता है। प्रभू श्रीराम जी के खेमे से लक्ष्मण जी को युद्ध की कमान सौंपी जाती है और रावण ने अपनी तरफ से अपने सबसे बलवान पुत्र मेघनाद को युद्ध की कमान सौंपी। दोनों पक्षों में जबरदस्त युद्ध होता है। मेघनाद जब लक्ष्मण जी पर विजय नहीं पा सका तो उसने ब्रह्मशक्ति का वार लक्ष्मण जी पर किया। ब्रह्मशक्ति का लक्ष्मण जी ने आदर किया और इसके लगने से वे मूर्छित हो जाते हैं। अपने छोटे भाई के मूर्छित होने पर प्रभू श्रीराम विलाप करते हैं जिसको देखकर दर्शकगण भाव विभोर हो जाते हैं। रामादल में मायूसी छा जाती है। विभिषण ने श्रीराम को बताया कि लक्ष्मण जी का उपचार लंका का सुषेण वैध कर सकता है। प्रभू श्रीराम ने हनुमान जी को लंका भेजा और हनुमान जी लंका से सुषेण वैध को ले आते हैं। सुषेण वैध ने लक्ष्मण जी को देखकर कहा कि विंध्याचल पर्वत से संजीवन बूटी को सूर्य निकलने से पूर्व लाना होगा। तभी लक्ष्मण जी के प्राण बचाए जा सकते हैं।

हनुमान जी विंध्याचल पर्वत पर पहुंचकर संजीवनी बूटी को पहचान नहीं सके और वे पूरा पर्वत उठा लाते हैं। भरत जी आकाश में हनुमान की को देखकर समझते हैं कि कोई दैत्य जा रहा है। वे बाण चलाते हैं। बाण लगते से हनुमान जी जमीन पर गिरते हैं और हे राम कहते हैं। भरत ने प्रभू श्रीराम का नाम सुना तो वे चौंक गए। हनुमान जी ने उनको सारा वृतांत बताया तो भरत जी ने हनुमान जी को अपनी कमान पर बैठाकर प्रभू श्रीराम जी के पास भेजा। संजीवन बूटी आने पर सुषेण वैध ने लक्ष्मण जी को दवाई पिलाई जिससे लक्ष्मण जी ठीक हुए और रामादल में खुशी हुई। प्रभू श्रीराम एवं लक्ष्मण गले मिलते हैं। प्रभू श्रीराम की भूमिका हर्षित सोनी, लक्ष्मण डावल गोयल, हनुमान जी कुलदीप सैन, विभीषण दीपक गोयल, अंगद शिवा सोनी, सुग्रीव ललित गोयल, रावण अशोक शर्मा, मेघनाद पवन गर्ग, कुंभकरण मनोज इंदौरिया ने अभीनीत किया।

जब प्रभू श्रीराम ने सुषेण वैद्य से कहा मेरा भाई मर जाता है तो मर जाने दो अपना धर्म मत बिगाडो:

लक्ष्मण जी के मूर्छित होने पर हनुमान ही लंका से सुषेण वैद्य को ले आते हैं। प्रभू श्रीराम ने सुषेण वैद्य से अपने अनुज लक्ष्मण का उपचार करने के लिए कहा लेकिन इस पर सुषेण वैध कहते हैं कि वह लंका का वैद्य है और ऐसे में वह अपने विरोधी दल के मरीज का उपचार कैसे कर सकता है। सुषेण वैध कहते हैं कि लक्ष्मण जी का उपचार करने के लिए उनका धर्म मनाही करता है। इस पर प्रभू श्रीराम ने सुषेण वैद्य से कहा कि यदि मेरा भाई मरता है तो आप इसे मर जाने दें लेकिन अपने धर्म को ना बिगाडे। अपने धर्म पर बने रहें। प्रभू श्रीराम जी की इस महानजा और धर्म का पाठ पढाने पर सुषेण वैद्य उनसे खुश हो जाता है और लक्ष्मण जी का उपचार करने के लिए तैयार हो जाता है।

सिवानी मंडी में बाजरे की सरकारी खरीद हुई शुरू

समाचार गेट/सोनिका सूरा

सिवानी। शहर की अनाज मंडी मे गुरूवार से बाजरे की सरकारी खरीद शुरू हो गई । बाजरे की सरकारी खरीद 2625 एमएसपी पर शुरू हुई। वीरवार को 12 किसानों से 213.50 क्विंटल आवक हुई और 5 किसान से 127.50 क्विंटल की खरीद हैफेड द्वारा की गई । इस मौके पर सचिव मार्केट कमेटी शिवकुमार, एबीएम संजीव कुमार, मंडी सुपरवाइजर कुलदीप सिंह, आक्शन रिकॉर्डर गिरिराज, हैफेड मैनेजर नवीन कुमार, सरजीत सिंह, मुकेश सैनी, अनाज मंडी प्रधान दीनदयाल, रामनिवास, संदीप, सुनील आदि मौजूद रहे।

हथीन पुलिस की गो तस्करों पर बड़ी कार्यवाही दो अलग-अलग मामला में दो आरोपी धरे

समाचार गेट/हरिओम भारद्वाज

होडल। पुलिस प्रवक्ता कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार एसपी पलवल श्री चंद मोहन आईपीएस के कुशल नेतृत्व में जिला पुलिस लगातार अपराधियों पर शिकंजा कस रही है इसी कड़ी में थाना हथीन पुलिस ने गो तस्करों पर बड़ी कार्यवाही करते हुए दो अलग-अलग मामला में दो आरोपी गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस मामलों में गहराई से जांच कर रही है। थाना हथीन प्रभारी उप निरीक्षक मुकेश कुमार के अनुसार पहले मामले में थाना में तैनात सहायक उप निरीक्षक सुभाष कुमार की टीम ने गांव गुरुकसर मे हनीफ उर्फ हनफ पुत्र दिनु के छप्पर (झोपडी) पर एक गाय की गऊकसी होने बारे गुप्त सूचना के आधार पर रेड की जहाँ पुलिस की भनक पाकर मौका से 4/5 व्यक्ति भाग गए। मौका पर मिले गाय मिट 60.984 किलो प्लास्टिक टब व बालटी, कुलाडी व छुरी को कब्जा पुलिस मे लेकर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच करते हुए एएसआई नेपाल सिंह के नेतृत्व में गठित जांच इकाई ने दि- 07-09-24 को वारदात में शामिल आरोपी सद्दाम पुत्र लखफत निवासी गुरुकसर थाना हथीन जिला पलवल को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। उसके उपरांत जाँच इकाई ने दि० 10-10-24 को फरार चल रहे दूसरे आरोपी साकिर पुत्र सिरदार निवासी गुरुकसर थाना हथीन जिला पलवल को गांव गुरुकसर से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। वहीं गोकशी के दूसरे मामले में एएसआई नेपाल सिंह के नेतृत्व में गठित जांच इकाई ने दि- 10-10-24 को आरोपी तारीफ पुत्र ईदरीस निवासी झोपडी गोलपुरी थाना सदर नुह जिला नुह को नियम अनुसार गिरफ्तार किया है। मामले में पुलिस को सूचना मिली थी कि गाव दुरेची मे बडी मस्जीद के पास गाय का कट्या हुआ मांस बेचा जा रहा था जो गाय का मास पकडा हे व गाय का मांस बेचने वाले आरोपीयान मौका से भागने मे कामयाब हो गये। मौका से मिले 28 चर्म हुआ गाय मिट व एक छुरी व एक लकडी का गुटका को कब्जा पुलिस मे लिया गया था। प्रभारी थाना हथीन ने बतलाया कि पुलिस मामलों में गहराई से जांच कर रही है। वारदात में फरार आरोपी जल्द ही पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

कनीना में आइसक्रीम फैक्ट्री में काम करने वाला बिहार का व्यक्ति हुआ लापता

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना में आइसक्रीम बेचकर परिवार का गुजारा करने वाला एक प्रवासी व्यक्ति लापता हो गया। जिस पर व्यक्ति की पत्नी सुनीता देवी निवासी मोरमा,जिला नवादा बिहार ने डाक से कनीना सिटी थाना पुलिस को भेजी गई शिकायत में कहा कि उसका पति उदय कुमार बहुत दिनों से कनीना में श्रीभगवान के यहां आइसक्रीम फैक्ट्री में काम करता था। आइसक्रीम बेचने का कार्य करते समय बीती 20 अगस्त से वह लापता हो गया।

उसके साथी मुरारी ने इस बात की सूचना घर पर दी तो उन्हें मालुम हुआ। उसके कपडे व अन्य सामान भी आइस फक्टी के कमरे में होने का पता चला है। सुनीता देवी ने कहा कि श्रीभगवान द्वारा उन्हें कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। पुलिस ने गुमशुदगी का केस दर्ज कर व्यक्ति की तलाश शुरू कर दी है।

कनीना मंडी में शुक्रवार तक हुई 1.12 लाख क्विंटल बाजरे की खरीद

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना मंडी में शुक्रवार तक 1 लाख 12 हजार क्विंटल बाजरे की खरीद हो चुकी है जिसमें से 39 हजार क्विंटल का उठान किया जा चुका है। बाजरे का उठान कर पलवल व जींद भेजा जा रहा है। मार्केट कमेटी के सचिव विजय सिंह ने बताया कि मंडी में कमेटी की ओर से लगाए गए दोनों कांटे चालू कर दिए गए हैं। उनके चालू होने पर किसानों को बाहर वजन करवाने के नाम पर जेब नहीं कटवानी पडेगी। उन्होंने बताया कि रविवार को बाजरे की खरीद नहीं की जाएगी। ईधर खरीद ई-खरीद पोर्टल से टोकन लेकर किसान कनीना-अटेली मार्ग स्थित कनीना की नयी आनाज आनाज मंडी चेलावास में पंहुच रहे हैं। खरीद एजेंसी स्टेट वेयर हाउस की प्रबंधक सीमा सिंह ने बताया कि 2625 रूपये प्रति क्विंटल के हिसाब से बाजरे की खरीद की जा रही है। बाजरे की खरीद होने के बाद तीन दिन के अंतराल में किसानों के खाते में पैसे डाले जा रहे हैं। उनके पास पर्याप्त संख्या में बारदाना उपलब्ध है। किसान बाजरे के खेत खाली कर रबि फसल की बिजाई की तैयारी करने में जुट गए है। इस मौके पर मनीष गुप्ता, राधेश्याम, अशोक कुमार, संदीप, बंटी, आदेश कुमार, सतीश कुमार, नरेश कुमार, टिंकू, धर्मदत्त उपस्थित थे।

केजीबीवी में पोस्ट राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण हस्तक्षेपो कार्यक्रम का हुआ आयोजन

राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण 2021 का उद्देश्य स्कूलों में कमजोर बच्चों को आगे लाना : डाक्टर आनंद आर्य

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। नूंह ब्लॉक के शिक्षकों के लिए पोस्ट राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण हस्तक्षेपो पर तीन दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन केजीबीवी नूंह में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, एनसीईआरटी, अजमेर द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण 2021 पर आवश्यकता आधारित हस्तक्षेपों की खोज के लिए आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में नूंह ब्लॉक के 10 स्कूलों के 43 शिक्षकों ने भाग लिया। एफएलएन की समन्वयक कुसुम मलिक ने बताया कि राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण 2021 रिपोर्ट कार्ड की समझ, समग्र शिक्षा, अनुभवात्मक शिक्षा, अकादमिक योजनाकार और शिक्षक प्रतिबिंब पर विभिन्न सत्र आयोजित किए गए। क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, एनसीईआरटी, अजमेर के डीईई प्रमुख डॉ. आनंद कुमार आर्य ने प्रतिभागियों के सत्र लिए। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण 2021 का उद्देश्य जिले में कमजोर बच्चों को आगे लाना है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में आए हुए सभी अध्यापकों ने आश्वासन दिया है कि वे सभी अपने-अपने स्कूलों में कमजोर बच्चों को सुबह प्रार्थना के समय में अलग-अलग गतिविधियां करवाएंगे और खेल-खेल में बच्चों को पढ़ाया जा सकें और बच्चों को कुछ नया सीखने को मिल सकें। उन्होंने कहा कि बच्चों को प्रश्नोतरी प्रतियोगिताओं व अन्य प्रकार की प्रतियोगिताओं के माध्यम से आगे लाना है। इस अवसर पर गेट्टी प्रिंसिपल डा. संजय कुमार ,प्रोजेक्ट फेलो यशवनी, साबिर ,समीरा ,प्रवक्ता रेखा गोगिया ,प्रीति राघव सहित विभिन्न स्कूलों के अध्यापकगण मौजूद रहे।

सोशल मीडिया पर भड़काऊ वीडियो पोस्ट करने का आरोपी गिरफ्तार

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। सोशल मीडिया पर भड़काऊ वीडियो पोस्ट कर सांप्रदायिक माहौल खराब करने के आरोप में साइबर थाना पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है । जिसकी पहचान महबूब पुत्र दीनदार निवासी जयसिंहपुर थाना सदर नूंह के रूप में हुई है। जिस पर मुख्य रूप से फिरोजपुर झिरका विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक मामन खान की प्रशंसा करने जबकि दूसरे समुदाय के लिए अमर्यादित भाषा का प्रयोग कर सोसल मीडिया पर वीडियो पोस्ट करने का आरोप था । मिली जानकारी के मुताबिक सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था । जिसमें दो युवक सांप्रदायिक माहौल को खराब करने के उद्देश्य से बहुत ही अश्लील शब्दों का प्रयोग कर दूसरे समुदाय को अपमानित कर रहे थे। इससे जिले में सांप्रदायिक माहौल बिगड़ने का खतरा था। वायरल वीडियो में अश्लील शब्दों का प्रयोग करते हुए 2 युवको ने गांव उजीना और सांगेल निवासियों को निशाना बनाया जबकि फिरोजपुर झिरका से निर्वाचित विधायक मामन को असली शेर बताते हुए प्रशंसा कर रहे थे। नूंह साइबर थाना पुलिस ने इस वीडियो पर संज्ञान लेते हुए तुरंत दो अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध केस दर्ज किया। मामले में गहनता से जांच कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

मायावती ने किया ऐलान, अब गठबंधन नहीं करेगी बसपा

लखनऊ।बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने पार्टी के आगे के प्लान को लेकर सोशल मीडिया पर कुछ बातें कही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उत्तर प्रदेश सहित दूसरे राज्यों के चुनाव में भी बीएसपी का वोट गठबंधन की पार्टी को ट्रांसफर हो जाने, किन्तु उनका वोट बीएसपी को ट्रांसफर कराने की क्षमता उनमें नहीं होने की वजह से अपेक्षित चुनाव परिणाम नहीं मिलने से पार्टी कैडर को निराशा और उससे होने वाले आंदोलन की हानि को बचाना जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि इसी के मद्देनजर हरियाणा विधानसभा के चुनाव नतीजे और इससे पहले पंजाब चुनाव के कड़वे अनुभव के मद्देनजर आज हरियाणा और पंजाब की समीक्षा बैठक में क्षेत्रीय पार्टियों से भी अब आगे गठबंधन नहीं करने का फैसला, जबकि बीजेपी/एनडीए और कांग्रेस/इण्डिया गठबंधन से दूरी पहले की तरह ही जारी रहेगी।

इंडिगो की फ्लाइट में महिला से छेड़छाड़

नई दिल्ली। दिल्ली-चेन्नई इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट में एक महिला यात्री से छेड़छाड़ के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी की पहचान राजेश शर्मा के रूप में हुई है, जो पेशे से मार्बल टाइल बिछाने का काम करता है। राजेश को 9 अक्टूबर को चेन्नई एयरपोर्ट से लैंडिंग के बाद गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक महिला की शिकायत के बाद जांच की जा रही है। महिला ने बताया कि महिला चेन्नई लौट रही थी। प्लेन में उसके पीछे बैठे आरोपी ने उसे गलत तरीके से छुआ था। हालांकि इंडिगो एयरलाइंस ने इस घटना पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

असम में जेल से 5 कैदी भागे

मोरीगांव। असम के मोरीगांव की जिला जेल से शुक्रवार सुबह 5 अंडर ट्रायल कैदी भाग गए। मोरीगांव के जिला आयुक्त देवाशीष शर्मा के मुताबिक जेल से भागने की घटना देर रात एक से दो बजे के बीच हुई। सभी कैदी पास्को केस में आरोपी थे। उन्हें मोरीगांव और सोनितपुर जिलों से गिरफ्तार किया गया था। कैदियों ने कोठरी की लोहे की ग्रिल तोड़ दी और फिर चादर, कंबल और लुंगी का इस्तेमाल कर रस्सी बनाई और जेल की 20 फीट ऊंची चारदीवारी से भाग निकले। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए सर्च ऑपरेशन चला रही है।

भू-माफिया से कब्जा मुक्त कराई 30 करोड़ की जमीन

नोएडा। नोएडा में बुलडोजर लगातार अपना काम कर रहा है। यहां बुलडोजर के जरिए ही भू माफिया पर नकेल कसी जा रही है नोएडा प्राधिकरण ने प्राधिकरण सर्किल-8 और भू लेखा विभाग ने संयुक्त प्रयास से विशेष अभियान चलाया, जिसमें सलारपुर में खसरा संख्या-700 से 711 पर छह हजार वर्गमीटर जमीन को भू-माफिया के कब्जे से मुक्त कराया गया। बताया गया कि यहां पर निर्माण, नालियां और प्लाट काटने का काम किया जा रहा था। जबकि यह जमीन मास्टर प्लान 2031 के अनुसार नियोजित है, जिसकी कीमत करीब 30 करोड़ रुपये आंकी जा रही है। वहीं, वर्क सर्किल आठ वरिष्ठ प्रबंधक अनिल कुमार ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद कागजी दस्तावेजों को खंगाला गया। जमीन प्राधिकरण की अर्जित और कब्जा प्राप्त जमीन है, जिस पर अवैध रूप से नाली बनाई जा रही थी। साथ ही जमीन पर प्लाट काटकर बेचने की कोशिश थी। उधर, जानकारी मिलते ही प्राधिकरण अधिकारियों ने नोटिस जारी कर भू-माफिया से स्वत: जमीन खाली करने को कहा। ऐसा नहीं करने पर बृहस्पतिवार दोपहर को प्राधिकरण टीम जेसीबी के साथ मौके पर पहुंची। यहां स्थानीय पुलिस बल की मदद से अवैध निर्माण को हटाया गया।

बिहार में दिल दहला देने वाली घटना : महिला वकील के घर में घुसकर उसे बेरहमी से पीटा

- महिला को निर्वस्त्र कर वीडियो बनाने लगे, विरोध किया तो मारपीट की

सहरसा । बिहार के सहरसा जिले से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां अज्ञात बदमाशों ने एक महिला वकील के घर में घुसकर उसे बेरहमी से पीटा। इतना ही नहीं उसे निर्वस्त्र कर वीडियो बनाने की कोशिश की। फिलहाल घायल महिला को एक निजी नर्सिंग होम में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार यह घटना सहरसा के सदर थाना क्षेत्र के बटराहा मोहल्ले की है। पीड़ित महिला वकील अपने घर में पूजा कर रही थीं। घटना के बारे में पीड़िता ने बताया कि सुबह लगभग 11 बजे जब वह घर पर पूजा कर रही थीं, तभी दरवाजे पर दस्तक हुई। इसके बाद दरवाजा खोलने पर चार युवक अंदर घुसे, जिनमें से एक ने चेहरा ढका हुआ था और बाकियों के चेहरे खुले थे। युवकों ने पिस्तौल तान दी और निर्वस्त्र कर वीडियो बनाने लगे। जब विरोध किया तो बदमाशों ने जमकर पिटाई की। मां ने बीच-बचाव करने की कोशिश की तो बदमाशों ने उन्हें भी पीटकर घायल कर दिया। पीड़िता का कहना है कि घटना के पीछे हाल ही में हुई एक बहस और विवाद का वजह हो सकती है। घटना से कुछ दिन पहले सुपौल में पदस्थापित सब इंस्पेक्टर नीलू कुमारी से बहस हो गई थी, जिसे लेकर विवाद बढ़ा था। महिला का आरोप है कि इस घटना के पीछे भी वही लोग हो सकते हैं। इस संबंध में पीड़ित महिला ने सहरसा के सदर थाने में इस मामले की शिकायत की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मोदी सरकार पर 10 सालों में एक भी भ्रष्टाचार का आरोप नहीं: शाह

-डिजिटल अर्थव्यवस्था और रेलवे नेटवर्क का भी विस्तार हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ पिछले दस सालों में भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा है। नीतिगत फैसले लेने में जो शिथिलता थी उसे भी खत्म कर दिया गया है और भारत को पांच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं से बाहर निकालकर एक आकर्षक स्थान में बदला है। शाह ने यहां उद्योग मंडल पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सालाना सत्र में कहा कि 2047 तक मोदी सरकार की कई नीतियों के कारण भारत दुनिया के सर्वाधिक विकसित देशों में से एक बन कर उभरेगा।

उन्होंने कहा कि जब से पीएम मोदी ने 2014 से कार्यभार संभाला है, सरकार ने कई क्षेत्रों में सुधार किए हैं। इसके परिणामस्वरूप अन्य बातों के अलावा बुनियादी ढांचा बेहतर हुआ है। संपर्क सुविधा अच्छी हुई है, डिजिटल अर्थव्यवस्था और रेलवे नेटवर्क का भी विस्तार हुआ और सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रिक वाहन के लिए विनिर्माण इकाइयों की स्थापना हुई है।

शाह ने विकसित भारत एट 2047 प्रगति के शिखर की ओर विषय पर आयोजित सत्र में कहा कि हम देश में सुधार और आर्थिक विकास लाए हैं। इस अवधि के दौरान, हमारी सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा है। इसे विपक्ष ने भी स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि पिछले दस साल में मोदी सरकार ने आतंकवाद, वामपंथी उग्रवाद और पूर्वोत्तर उग्रवाद को जमीन के 200 गज नीचे दफना दिया है। उन्होंने कहा कि जब मोदी ने सत्ता संभाली थी, तो नीतिगत फैसले और क्रियान्वयन को लेकर शिथिलता की स्थिति थी जिसे बहुत ही कम समय में निर्णायक उपायों के साथ समाप्त किया गया। सरकार ने इसे प्रदर्शन की नीति से बदल दिया है। शाह ने कहा कि एक समय भारत को पांच सबसे कमजोर अर्थव्यवस्था की श्रेणी में रखा जाता था लेकिन मोदी सरकार ने देश को उस स्थिति से बाहर निकाला और अब अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष इसे आकर्षक स्थान कहता है।

शाह ने पिछले दस सालों में गरीबों के कल्याण के लिए शुरू की गई कई कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि मोदी सरकार 80 करोड़ लोगों को मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध करा रही है। पांच करोड़ लोगों को मुफ्त आवास दिया गया है, 12 करोड़ शौचालय बनाए गए हैं। 11 करोड़ लोगों को मुफ्त बिजली कनेक्शन और 15 करोड़ लोगों को पीने का पानी मिल रहा है। गृह मंत्री ने कहा कि भारत 50 करोड़ लोगों का बाजार था। बाकी 80 करोड़ लोग अपनी रोजी-रोटी कमाने में व्यस्त थे और उनके पास क्रय शक्ति नहीं थी। मोदी सरकार ने 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज देकर उनकी ये समस्याएं खत्म कर दीं और भारत अब 130 करोड़ लोगों का बाजार है। शाह ने कहा कि अगले 25 साल में भारत विनिर्माण, सेमीकंडक्टर उद्योग, इलेक्ट्रिक वाहन, डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे सभी क्षेत्रों में वैश्विक अगुवा होगा और मोदी सरकार इस दिशा में ईमानदारी से काम कर रही है।

बीजेपी सदस्यता अभियान : असम में बने 60 लाख नए सदस्य, देश में टॉप पर

गुवाहाटी। असम में बीजेपी सदस्यता अभियान के तहत 60 लाख नए सदस्य बनाने के 100 फीसदी लक्ष्य को हासिल करने के करीब है। आंकड़ों के मुताबिक असम में बीजेपी की सदस्यता 58 लाख का आंकड़ा पार कर लिया है। बीजेपी के वरिष्ठ नेता ने कहा कि राज्य इकाई ने हर एक विधानसभा क्षेत्र को 40 हजार सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया गया है। कुल 126 विधानसभा क्षेत्रों में से 91 ने पहले ही यह लक्ष्य पूरा कर लिया है। उन्होंने कहा कि त्योहारी सीजन में भी लोग हमारी पार्टी में शामिल हो रहे हैं। यह वाकई अभूतपूर्व है। केंद्रीय नेता भी हमारे प्रदर्शन से खुश हैं। वहीं असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में कहा कि असम के 91 विधानसभा क्षेत्रों में अब बीजेपी सदस्यता के तहत 40 हजार से ज्यादा सदस्य शामिल हुए हैं। बेहाली, करीमगंज उत्तर और मजबत निर्वाचन क्षेत्रों के कार्यकर्ताओं को 40 हजार से ज्यादा सदस्य बनाने में उनकी कड़ी मेहनत के लिए बधाई। 58.31 लाख नए सदस्यों के साथ असम बीजेपी अपने तय लक्ष्य के 100 प्रतिशत के करीब है। राज्य में बीजेपी नेता सदस्यता अभियान में 18 से 25 वर्ष की आयु के युवाओं पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इस बीच बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव बीएल संतोष ने कहा कि असम पार्टी के सदस्यता अभियान में 85 फीसदी लक्ष्य पूरा करके देश में सबसे आगे है।

पश्चिम बंगाल में जूनियर डॉक्टरों की भूख हड़ताल जारी, एक की तबीयत बिगड़ी

-आईएमए ने सीएम ममता को लिखा पत्र, मांगों पर ध्यान देने का किया आग्रह

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में जूनियर डॉक्टरों की भूख हड़ताल जारी है। अनशनकारियों में बैठे डॉ अनिकेत महतो की बिगड़ती तबीयत बिगड़ गई जिसमे हमारी चिंता बढ़ा दी है। यह विरोध प्रदर्शन आरजी कर अस्पताल में एक ट्रेनी डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या के बाद हुआ है, जिससे व्यापक आक्रोश फैल गया है और चिकित्सा पेशेवरों के लिए बेहतर कामकाजी परिस्थितियों और सुरक्षा की मांग की जा रही है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने जूनियर डॉक्टरों के प्रति अपना समर्थन दिया है और पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी से उनकी मांगों पर ध्यान देने का आग्रह किया है। सीएम ममता को लिखे पत्र में आईएमए ने कहा कि करीब एक सप्ताह हो गया है जब से बंगाल के युवा डॉक्टर आमरण अनशन पर हैं। आईएमए उनकी जायज मांगों का समर्थन करता है। पश्चिम बंगाल सरकार सभी मांगों को पूरा करने में सक्षम है। शांतिपूर्ण माहौल और सुरक्षा कोई विलासिता नहीं है। वे एक शर्त हैं। हम आपसे सरकार के मुखिया के रूप में युवा पीढ़ी के डॉक्टरों के साथ मुद्दों को सुलझाने की अपील करते हैं। भारत की पूरी चिकित्सा बिरादरी इसको लेकर चिंतित है और उसे भरोसा है कि आप उनकी जान बचाने में सक्षम होंगे। यदि आईएमए किसी भी तरह की मदद कर सकते हैं तो हम खुशी से मदद करेंगे। कोलकाता में जूनियर डॉक्टरों ने राज्य सरकार से जवाबदेही की मांग करते हुए अपनी हड़ताल जारी रखी है। कई डॉक्टरों ने अपनी चिंताओं पर सरकार की चुप्पी पर निराशा जताई है। मुख्य सचिव को लिखे पत्र समेत उनके पिछले संचार में इस निराशा पर प्रकाश डाला गया कि एक बैठक तय करने के लिए 96 घंटे का उपवास करना पड़ा।

जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ की कोशिश में 150 से ज्यादा आतंकी

- सीमा पार लॉन्चिंग पैड पर कर रहे इंतजार

श्रीनगर (एजेंसी)। कश्मीर घाटी में घुसपैठ करने के लिए सीमा के उस पार (पीओके) करीब 150 से ज्यादा आतंकी लॉन्चपैड पर इंतजार कर रहे हैं। इस बात की जानकारी बीएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी है। बीएसएफ अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि करीब 150 आतंकवादी सर्दियों के करीब आने के बाद कश्मीर घाटी में घुसपैठ करने के लिए नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार लॉन्चपैड पर इंतजार कर रहे हैं, लेकिन सुरक्षा बल ऐसी किसी भी कोशिश को नाकाम कर देंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक एक अधिकारी ने कहा कि सीमा पार से घुसपैठ की कोशिशें जारी हैं। अलग-अलग एजेंसियों से प्राप्त खुफिया सूचनाओं के आधार पर, हम सीमा पर अपना नियंत्रण बनाए रखने के लिए सेना के साथ समन्वय करते हैं। बीएसएफ महानिरीक्षक (कश्मीर फ्रंटियर) अशोक यादव ने कहा कि हम लॉन्चिंग पैड पर आतंकवादियों की संख्या का भी ध्यान रखते हैं, जिससे हमें किसी भी साजिश को विफल करने के लिए अपनी रणनीति को आकार देने में मदद मिलती है।

130 से 150 आतंकियों के मौजूद होने की आशंका

उन्होंने कहा कि सुरक्षा बल यह सुनिश्चित करेंगे कि घुसपैठ की किसी भी कोशिश को नाकाम कर दिया जाए। यह पूछे जाने पर कि अभी कितने आतंकवादी लॉन्चपैड पर इंतजार कर रहे हैं, उन्होंने कहा कि लॉन्चिंग पैड पर आतंकवादियों की संख्या आमतौर पर 130 और 150 के बीच होती है, कभी-कभी यह थोड़ी अधिक भी हो सकती है। जम्मू-कश्मीर में शांतिपूर्ण विधानसभा चुनाव कराने के बाद की चुनौतियों पर, अधिकारी ने कहा कि निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर पुलिस और प्रशासन के साथ मिलकर समन्वय बनाया था।

सर्दियों में आतंकी करते हैं घुसपैठ की कोशिश

उन्होंने कहा कि खतरे की कई सूचनाएं थीं, लेकिन हमारी अच्छी तरह से समन्वित योजना के साथ, हमने किसी भी हमले को रोक दिया और चुनाव सफल रहे। अशोक यादव ने कहा, अब, सर्दियां करीब आ रही हैं, तैयारियां हो रही हैं, सर्दियां शुरू होने से पहले, आतंकवादी अक्सर घुसपैठ की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि एलओसी पर घुसपैठ की संभावित कोशिशों के बारे में इनपुट हैं।

उत्तराखंड में सख्ती : शराब पीकर वाहन चलाते मिले तो ड्राइविंग लाइसेंस होगा निरस्त

देहरादून। उत्तराखंड में अब शराब पीकर अंधाधुंध गाड़ी दौड़ाने वालों पर सख्ती होगी। ऐसे चालकों के विरुद्ध परिवहन विभाग न केवल वाहन का चालान करेगा, बल्कि चालक का ड्राइविंग लाइसेंस सीधे निरस्त करने की कार्रवाई करने जा रहा है। आरटीओ (प्रवर्तन) शैलेश तिवारी ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय की ओर से निर्धारित सड़क सुरक्षा से जुड़े छह अपराध में सीधे ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी। इन अपराध में पहले तीन माह या छह माह के लिए लाइसेंस निलंबित होता था, लेकिन अब लाइसेंस के निरस्तीकरण की कार्रवाई होगी। यही नहीं, संबंधित चालक 12 माह तक नया लाइसेंस बनाने के लिए आवेदन भी नहीं कर सकेगा। आरटीओ ने बताया कि इस वर्ष जनवरी से अगस्त तक 1800 डीएल निलंबित किए जा चुके हैं। आरटीओ ने बताया कि शराब पीकर वाहन चलाने, बेलगाम गति व खतरनाक ढंग से वाहन चलाने वालों को लाइसेंस के विरुद्ध की गई निरस्तीकरण की कार्रवाई में सुनवाई का अवसर भी नहीं दिया जाएगा। हालांकि, दुपहिया पर हेलमेट न पहनने और ट्रिपल राइडिंग करने पर लाइसेंस को तीन माह के लिए निलंबित करने का नियम पूर्व की तरह यथावत रहेगा।

राहुल गांधी से छिनेगा नेता प्रतिपक्ष का पद? बीजेपी ने कर दिया ऐसा दावा कि मच सकता है सियासी तूफान

नई दिल्ली (एजेंसी)। शुक्रवार को भाजपा ने एक ऐसा दावा किया जिससे राजनीतिक चर्चा गर्म हो सकती है। दरअसल, भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज से इसको लेकर एक सवाल पूछा गया। पत्रकार का सवाल ये था कि ऐसी जानकारी मिल रही है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष का जो पद है, उसको रोटेशनल करने की बात चल रही है? इसके जवाब में बांसुरी स्वराज ने कहा कि हां बिल्कुल। मैंने यह भी सुना है कि विपक्ष के नेता का पद रोटेशनल करने की बात चल रही है। लेकिन मैं विनम्रता से कहूंगी कि यह विपक्ष का आंतरिक मामला है।

भाजपा सांसद ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि अगर उन्हें लगता है कि राहुल गांधी समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारी को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं तो उन्हें इस तरह के फैसले पर आगे बढ़ना चाहिए। भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि विपक्षी दलों में कई नेता हैं जो विपक्ष के नेता (एलओपी) के काम को संभालने में 'सक्षम' हैं, लेकिन निर्णय लेना उन पर निर्भर है क्योंकि यह उनका 'आंतरिक मामला' है।

उन्होंने कहा कि हां, विपक्षी दलों में ऐसे कई नेता जरूर हैं जो नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी निभाने में काफी सक्षम है। अगर भारतीय गठबंधन को लगता है कि राहुल गांधी अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से नहीं निभा पा रहे हैं तो उन्हें ऐसा फैसला लेना चाहिए। हालांकि बीजेपी के दावे पर विपक्षी दलों की ओर से कोई बयान नहीं आया था, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि कम से कम 10 प्रतिशत सीटों के साथ विपक्ष में सबसे बड़ी पार्टी के केवल एक सांसद को ही नेता प्रतिपक्ष के रूप में नियुक्त किया जा सकता है।

स्वराज ने अपनी बात जारी रखते हुए आगे कहा, ''विपक्ष के दलों में ऐसे कई नेता हैं जो नेता प्रतिपक्ष का कार्यभार संभालने के लिए काफी सक्षम है। अगर 'इंडिया' गठबंधन को यह लगता है कि राहुल गांधी पूरी कर्तव्यनिष्ठा से अपना पद नहीं संभाल पा रहे हैं तो यह निर्णय उन्हें लेना है।''

जेपी नड्डा ने कर दिया बड़ा दावा, बोले- महाराष्ट्र और झारखंड चुनावों में भी जीत हासिल करेगी बीजेपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा में जीत से गदगद भाजपा ने दावा किया है कि महाराष्ट्र और झारखंड में भी आगामी विधानसभा चुनावों में वह जीत हासिल करेगी। दरअसल, यह दावा किया और ने नहीं, बल्कि खुद भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने किया है। बिलासपुर में श्री नैना देवी मंदिर में मत्था टेकने और 'कंजक पूजन' करने वाले नड्डा ने कहा कि लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र की भाजपा सरकार के प्रदर्शन से खुश हैं।

नड्डा ने कहा कि आज मुझे शारदीय नवरात्रों में नवमी के दिन मां नैना देवी का आशीर्वाद लेने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। हम सब लोग माता के आशीर्वाद से प्रधानमंत्री मोदी जी के विकसित भारत के सपने को पूरा करने में अपनी पूरी ऊर्जा के साथ कार्य करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि पार्टी महाराष्ट्र और झारखंड में आगामी विधानसभा चुनावों में भी जीत हासिल करेगी। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हरियाणा में एक भ्रम पैदा किया गया है। जमीनी हकीकत कुछ और थी लेकिन माहौल कुछ और ही बना और आखिरकार बीजेपी चुनाव जीत गई और जम्मू-कश्मीर में वोट शेयर बढ़ गया।

उन्होंने कहा कि हरियाणा के लोगों- युवाओं, किसानों, महिलाओं और अन्य सभी वर्गों - ने विपक्षी दलों को करारा जवाब दिया और स्पष्ट कर दिया कि वे प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों और नेतृत्व में विश्वास करते हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में छह से आठ प्रतिशत मतदान से लेकर 60 प्रतिशत से अधिक मतदान दिखाता है कि लोग लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास करते हैं और अनुच्छेद 370 को खत्म करने का समर्थन करते हैं।

नड्डा ने कहा कि आज आतंकवाद पर नियंत्रण है और बीजेपी का शासन सिर्फ सत्ता में बैठने के लिए नहीं बल्कि देश को सुरक्षित बनाने के लिए है. दुनिया में व्याप्त परिदृश्य का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मोदी ने कहा है कि यह युद्ध का नहीं बल्कि विकास का समय है और सभी को साथ लेकर चलना चाहिए। सत्तारूढ़ भाजपा ने हरियाणा में सत्ता बरकरार रखने और विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की वापसी की कोशिश को रोकने के लिए जीत की हैट्रिक बनाई। भाजपा ने जम्मू-कश्मीर में भी 90 में से 29 सीटें जीतकर उल्लेखनीय बढ़त हासिल की। नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन केंद्र शासित प्रदेश में सरकार बनाने के लिए तैयार है।

दुनिया के ये प्रमुख तानाशाह शासक.... जो डर और ताकत के दम पर शासन करते

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया में तानाशाहों की कोई कमी नहीं है, इसका प्रमुख कारण संचार के साधनों का विस्तार है, जो हमें दुनिया के विभिन्न हिस्सों में हो रही घटनाओं के बारे में बताता है। इसके बावजूद, कई राष्ट्राध्यक्ष आज भी सभी शक्तियों को अपने हाथों में केंद्रित करने और तानाशाह बनने से नहीं डरते। इन्हें में से कुछ के बारे में हम बात रहे है।

व्लादिमीर पुतिन (रूस)

पुतिन को पश्चिमी देशों द्वारा तानाशाहों की सूची में पांचवें नंबर पर रखा गया है। पुतिन पर आरोप है कि वे रूसी नागरिकों की स्वतंत्रता को सीमित करते हैं। पुतिन आलोचना, विरोध और स्वतंत्र पत्रकारिता को सहन नहीं करते और बल प्रयोग के माध्यम से विरोध की आवाजों को दबाते हैं।

बशर अल-असद (सीरिया)

सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद ने 21 वर्षों तक शासन किया है। एक डॉक्टर होकर भी उन्होंने अपने देश को गृहयुद्ध में धकेल दिया। असद अपने विरोधियों को दबाने के लिए सेना और हथियारों का प्रयोग करने के लिए कुख्यात हैं। उनके शासन में कई पत्रकारों और नेताओं की हत्या की गई और उन पर अपने नागरिकों पर रासायनिक हमले के आरोप भी लगे हैं।

फिदेल और राउल कास्त्रो (क्यूबा)

क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति फिदेल कास्त्रो और उनके भाई राऊल कास्त्रो पर तानाशाही से शासन करने के आरोप हैं। उन्होंने अपने शासनकाल में सैकड़ों पत्रकारों, असंतुष्टों और नागरिकों को सताया, कैद किया और मार डाला। उनके नेतृत्व में क्यूबा की आर्थिक स्थिति इतनी खराब हो गई है कि जीवन स्तर पिछले 50 वर्षों से न्यूनतम स्तर से नीचे है।

किम जोंग उन (उत्तर कोरिया)

किम जोंग उन उत्तर कोरिया के वंशानुगत राष्ट्रपति हैं। उ.कोरिया में कोई चुनाव नहीं होते, और सत्ता विरासत में मिलती है। किम जोंग उन भय पैदा करके शासन करते हैं। उत्तर कोरिया में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का कोई अस्तित्व नहीं है, और केवल राज्य मीडिया ही मौजूद है।

इसाईस अफेवेर्की (इरीट्रिया)

इरीट्रिया के राष्ट्रपति इसाईस अफेवेर्की को दुनिया का सबसे बड़ा तानाशाह बताया जाता है। उनकी तानाशाही पूरी तरह से भय और क्रूरता पर है। उन पर मानवता के विरुद्ध अपराधों का आरोप लगाया गया है, और वे करीब सभी नागरिकों को सेना में शामिल होने के लिए बाध्य करते हैं।

भारत डीपीआई के उपयोग से जुड़े अपने अनुभव आसियान देशों से साझा करेगा

विएंतियान ।

भारत आधार और यूपीआई जैसे डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे (डीपीआई) के इस्तेमाल से जुड़े अपने अनुभव और ज्ञान को आसियान देशों के साथ साझा करेगा। एक संयुक्त वक्तव्य में हाल ही में यह जानकारी दी गई। इसके अलावा शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कृषि एवं जलवायु परिवर्तन में विविध चुनौतियों का समाधान करने के लिए सहयोग की संभावना भी तलाशी जाएगी। विएंतियान में आयोजित 21वें भारत-आसियान शिखर सम्मेलन के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य में दोनों पक्षों ने कहा कि वे नवाचारी डिजिटल समाधानों के जरिये आसियान और भारत में भुगतान प्रणालियों के बीच सीमापार संबंधों के सहयोग की संभावना तलाशेंगे। दोनों पक्षों ने क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए आसियान-भारत व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने पर एक संयुक्त बयान भी जारी किया।बयान में क्षेत्र में शांति, स्थिरता, समुद्री सुरक्षा एवं संरक्षा, समुद्री परिवहन और उड़ान की स्वतंत्रता तथा समुद्र के अन्य वैध उपयोगों को बनाए रखने और बढ़ावा देने के महत्व की पुष्टि की गई।

इसमें निर्बाध वैध समुद्री वाणिज्य और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान को बढ़ावा देना शामिल है। इस शिखर सम्मेलन को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी संबोधित किया। मोदी ने कहा कि डिजिटल परिवर्तन और हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए हमने जो दो संयुक्त वक्तव्य अपनाए हैं, वे भविष्य में हमारे सहयोग के लिए आधार तैयार करेंगे। इस शिखर सम्मेलन में आसियान के 10 सदस्य देशों के नेताओं ने शिरकत की। यह सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है जब क्षेत्र दक्षिण चीन सागर में समुद्री मुद्दों और म्यांमा में संकट को लेकर फिलिपीन और चीन के बीच तनाव देख रहा है।

ट्रंप का आरोप- भारत सबसे अधिक शुल्क लगाने वाला देश

वाशिंगटन ।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सत्ता में आने पर पारस्परिक कर लगाने का संकल्प लेते हुए आरोप लगाया कि सभी प्रमुख देशों में से भारत विदेशी उत्पादों पर सबसे अधिक शुल्क लगाता है। ट्रम्प ने डेट्रायट में प्रमुख आर्थिक नीति पर अपने भाषण में कहा कि शायद अमेरिका को फिर से असाधारण रूप से समृद्ध बनाने की मेरी योजना का सबसे महत्वपूर्ण तत्व पारस्परिकता है। यह एक ऐसा शब्द है जो मेरी योजना में बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि हम आम तौर पर शुल्क नहीं लगाते हैं। मैंने वह प्रक्रिया शुरू की थी वैन तथा छोटे ट्रक आदि के साथ वह बहुत बढ़िया थी। हम वास्तव में शुल्क नहीं लगाते हैं। चीन 200 प्रतिशत शुल्क लगाएगा। ब्राजील बड़ा शुल्क वसूलता है। हालांकि इनमें से सबसे अधिक शुल्क भारत लेता है। उन्होंने कहा कि भारत बहुत अधिक शुल्क लेता है। भारत के साथ हमारे बहुत अच्छे संबंध हैं। मेरे भी हैं। खास तौर पर नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ। वे एक महान नेता हैं। महान व्यक्ति हैं। वास्तव में महान व्यक्ति हैं। उन्होंने बहुत बढ़िया काम किया है, लेकिन वे शायद काफी शुल्क लेते हैं। ट्रम्प की यह टिप्पणी इस सप्ताह की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा के बाद आई है। ट्रंप ने मोदी को सबसे अच्छा इंसान करार देते हुए भारतीय नेता को अपना मित्र बताया था। अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रम्प ने कहा था कि मोदी के साथ उनके बहुत अच्छे संबंध हैं।

ड्रैगन पर शिकंजा! अब सरकार जब्त करेगी 252 करोड़, 10 गुना जुर्माना भी

कंपनी भारत में अवैध तरीके से कर्ज वितरित कर रही थी

नई दिल्ली।

चालाक चीन ने अपने देश की कंपनियों पर सरकार की नजर टेढ़ी होने पर भारत में कारोबार करने का दूसरा रास्ता तलाश लिया। अब वह दूसरे देशों की कंपनियां अपने कंट्रोल में लेकर देश में कारोबार चला रहा था, लेकिन खुलासा होते ही सरकार ने उस पर शिकंजा कस दिया। अब न सिर्फ इस कंपनी के 252 करोड़ रुपये जब्त किए जाएंगे, बल्कि इसका 10 गुना जुर्माना भी वसूला जाएगा। यह कंपनी भारत में अवैध तरीके से कर्ज वितरित कर रही थी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बताया है कि चीनी व्यक्तियों के नियंत्रण वाली नॉर्वे की कंपनी की भारतीय इकाई से 252 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की जाएगी। यह आदेश कर्ज देने के अवैध तरीके से काम करने वाले मोबाइल ऐप कैशबीन के खिलाफ फेमा जांच के तहत दिया गया है।

प्रवर्तन निदेशालय ने कहा कि 7 अक्टूबर को पीसी फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (पीसीएफएस) के खिलाफ विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत आदेश जारी किया गया था। जब्ती के साथ ही कंपनी पर 2,146 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना भी लगाया गया है। ईडी ने बताया कि पीसीएफएस नॉर्वे स्थित ओपेरा ग्रुप की सहायक कंपनी है। इसका नियंत्रण चीनी मालिकों के पास है। यह अपने मोबाइल ऐप कैशबीन के जरिये भारत में लोगों को पैसा उधार देने के कारोबार में शामिल है। जांच एजेंसी के अनुसार, पीसीएफएस ने अपने संबंधित विदेशी समूह की कंपनियों को सॉफ्टवेयर लाइसेंस और सेवाओं के आयात की आड़ में 429.30 करोड़ रुपये भेजे, जो फर्जी पाया गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने फरवरी, 2022 में पाया था कि पीसीएफएस कर्ज लेने वालों से 'गैर-पारदर्शी' तरीके से अत्याधिक ब्याज दर और अन्य शुल्क वसूल रही थी. साथ ही कर्ज लेने वालों से वसूली को लेकर आरबीआई और सीबीआई के प्रतीक चिन्ह का गलत रूप से उपयोग कर रही थी, जो निष्पक्ष व्यवहार संहिता का उल्लंघन है। ईडी ने कहा कि आरबीआई ने कंपनी के पंजीकरण प्रमाणपत्र को रद्द कर दिया और इस पर गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थान के रूप में कार्य करने पर भी रोक लगा दी। जांच एजेंसी ने सबसे पहले 2021 में 252.36 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त करने का आदेश दिया था। बाद में इस आदेश को उचित प्राधिकार ने फेमा के तहत फरवरी, 2022 में मंजूरी दी थी।

बाजार में अगले हफ्ते भी दिखाई दे सकती है गिरावट!

- चीन करने जा रहा बड़ा खेल, निवेशकों के डूब सकते हैं लाखों करोड़ रुपए

नई दिल्ली ।

घरेलू शेयर बाजार में अगले सप्ताह भी गिरावट के साथ कारोबार देखा जा सकता है। बताया जा रहा है कि चीन अगले हफ्ते बड़ा खेल करने वाला है, जिसका सीधा असर भारतीय बाजार और निवेशकों पर दिख सकता है। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि पिछले सप्ताह भारतीय बाजार में आई गिरावट की वजह भी चीन ही था। ऐसे में एक बार फिर चीन वही काम दोहराने जा रहा है, जो उसने पिछले महीने किया था। जाहिर है कि इस आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता कि इस बार भी चीन का यह दांव भारतीय निवेशकों पर भारी पड़ सकता है। ब्लूमबर्ग ने 23 दिग्गज निवेशकों पर किए सर्वे के बाद दावा किया है कि चीन सरकार अगले सप्ताह 283 अरब डॉलर (करीब 24 लाख करोड़ रुपये) का राहत पैकेज जारी करने वाला है. इससे पहले सितंबर में चीन ने 12 लाख करोड़ रुपये का राहत पैकेज जारी किया था, जिसके बाद शंघाई स्टॉक एक्सचेंज का मार्केट कैप करीब 269 लाख करोड़ रुपये बढ़ गया था। इसके विपरीत भारतीय शेयर बाजार में लगातार 5 सत्र तक गिरावट दिखी थी और निवेशकों के 16 लाख करोड़ रुपये डूब गए थे। निवेशक और विशेषज्ञ अनुमान लगा रहे कि इस बार तो दोगुना राहत पैकेज जारी होगा तो इसका असर भी दोगुना हो सकता है। पिछले सप्ताह के आंकड़े देखें तो इसका जवाब आपको खुद मिल जाएगा। दरअसल, चीन के राहत पैकेज जारी करने के बाद वहां की अर्थव्यवस्था और शेयर बाजार दोनों में ही तगड़ा सुधार दिखने लगा। मार्केट डिमांड भी बढ़ी, क्योंकि ब्याज घटाकर 5 करोड़ लोगों को सीधे तौर पर फायदा दिया गया था। भारत के मुकाबले चीन के बाजार में स्कोप बढ़ते ही विदेशी निवेशक यहां से पैसा निकालकर वहां डालने लगे।

सिंगापुर के आर्थिक बदलाव में रतन टाटा का बहुमूल्य योगदान रहा: प्रधानमंत्री वोंग

सिंगापुर ।

सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने उद्योगपति रतन टाटा को श्रद्धांजलि देते हुए देश के आर्थिक बदलाव में उनके बहुमूल्य योगदान को याद किया। वोंग ने उन्हें एक सच्चा मित्र बताते हुए कहा कि उनकी विरासत को देश हमेशा संजोकर रखा जाएगा। टाटा समूह के पूर्व चेयरमैन का बुधवार शाम 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया मंच पर वोंग ने रतन टाटा को श्रद्धांजलि दी और कहा कि सिंगापुर से टाटा का पुराना नाता था। उन्होंने लिखा कि वह सिंगापुर के सच्चे मित्र थे और हम उनके योगदान और विरासत को संजोकर रखेंगे। वह हमारे देश के एक मजबूत समर्थक थे और उन्होंने हमारे आर्थिक बदलाव में बहुमूल्य योगदान दिया। टाटा समूह की 1960 के दशक के उत्तरार्ध से सिंगापुर में बड़ी उपस्थिति है। समूह के जेआरडी टाटा की सिंगापुर यात्रा से शुरू हुए इस सफर को रतन टाटा ने आगे बढ़ाया। इसके परिणामस्वरूप सिंगापुर में उसकी वर्तमान में 15 से अधिक कंपनियां हैं। इनमें आईटी, शिपिंग, इंजीनियरिंग, ऊर्जा और वित्तीय सेवाएं शामिल हैं।

एक खबर के अनुसार सिंगापुर के आर्थिक विकास बोर्ड (ईडीबी) के चेयरमैन पीएनजी चियोंग बून ने भी रतन टाटा को श्रद्धांजलि दी। खबर में उनके हवाले से कहा गया कि रतन टाटा ने सिंगापुर में टाटा समूह की कॉर्पोरेट उपस्थिति बढ़ाने और भारत और सिंगापुर के बीच घनिष्ठ आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हुंडई मोटर इंडिया का आईपीओ 14 को होगा लॉन्च

नई दिल्ली । हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड अपना आईपीओ 14 अक्टूबर को लॉन्च करने जा रही है। इस आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 1,865-1,960 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। यह आईपीओ 14 अक्टूबर को बड़े इंस्टीट्यूशनल निवेशकों के लिए खुल जाएगा, जबकि 15 से 17 अक्टूबर के बीच रिटेल निवेशक और अन्य श्रेणियों के निवेशक बोलियां लगा सकेंगे। आईपीओ की लिस्टिंग 22 अक्टूबर को होने की संभावना है, जिसके बाद हुंडई मोटर इंडिया के शेयर बाजार में ट्रेडिंग शुरू हो जाएगी। हुंडई का यह आईपीओ भारत का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ होगा और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के रिकॉर्ड को तोड़ देगा, जिसने 21,000 करोड़ रुपये का इश्यू लाया था। हुंडई मोटर इंडिया अपने आईपीओ के जरिए करीब 25,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। यह इश्यू पूरी तरह से प्रमोटर कंपनी हुंडई मोटर द्वारा 14,21,94,700 शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) के आधार पर होगा, जिसमें कोई नए शेयर जारी नहीं किए जाएंगे। हुंडई मोटर इंडिया ने 15 जून को भारतीय बाजार नियामक सेबी के पास ड्राफ्ट रेड हेयरिंग प्रॉस्पेक्टस फाइल किया था, जिसे 25 सितंबर को मंजूरी मिल गई थी।

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज ने अपनी ऐप में किया सुधार

नई दिल्ली । जियो फाइनेंशियल सर्विसेज ने जियो फाइनेंस ऐप का नया व बेहतर संस्करण पेश करने की शुक्रवार को घोषणा की। यह ऐप ऋण, बचत खाते, यूपीआई बिल भुगतान, रिचार्ज और डिजिटल बीमा सहित कई सेवाएं प्रदान करता है। बयान के अनुसार जियोफाइनेंस ऐप का बीटा संस्करण 30 मई 2024 को पेश किया गया था। 60 लाख से अधिक लोग जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) के नए युग के डिजिटल मंच से जुड़े। ग्राहकों की प्रतिक्रिया से अब इसे बेहतर बनाया गया है। जेएफएसएल ने बयान में कहा कि बीटा संस्करण पेश करने के बाद से वित्तीय उत्पादों तथा सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला को इससे जोड़ा गया, जिसमें म्यूचुअल फंड पर ऋण, गृह ऋण और संपत्ति की एवज में ऋण शामिल है। ये ऋण प्रतिस्पर्धी शर्तों पर उपलब्ध हैं और हमारे ग्राहकों के लिए पर्याप्त बचत प्रदान करेंगे। बयान में कहा गया कि नया ऐप अब गूगल प्ले स्टोर, एप्पल ऐप स्टोर और माय जियो पर उपलब्ध है। इसमें कई आकर्षक सेवाएं हैं।

टीसीएस की कमाई घटी- खर्चा बढा

मुंबई । भारत की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस को जुलाई से सितंबर माह की तिमाही में 11909 करोड रुपए का मुनाफा हुआ है। पिछले वर्ष की तुलना में यह पांच फीसदी ज्यादा है। पिछली तिमाही में कंपनी की आय 7.65 फीसदी की दर से बढी थी। जो इस तिमाही में 0.36 फीसदी घट गई है। इस तिमाही में कंपनी का खर्च 8 फीसदी बढ़ गया है। खर्च की तुलना में कंपनी का मुनाफा कम हुआ है। टीसीएस के बोर्ड ने शेयर धारकों के लिए 10 रुपये प्रति शेयर अंतरिम डिविडेंड की मंजूरी दी है। इसका भुगतान 5 नवंबर को किया जाएगा। कंपनी ने अपने शेयरधारकों को पिछले साल की तुलना में 11 फीसदी ज्यादा डिविडेंड दिया है। पिछले साल 9 रुपये प्रति शेयर का डिविडेंड दिया गया था।

टीसीएस का मुनाफा गिरा, उम्मीद से खराब रहे तिमाही नतीजे

मुंबई । टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने सितंबर में समाप्त दूसरी तिमाही के लिए मुनाफे में 1.1 प्रतिशत की तिमाही-दर-तिमाही गिरावट दर्ज की है। कंपनी का मुनाफा इस तिमाही 11,909 करोड़ रुपये रहा। यह आंकड़ा बाजार की उम्मीदों से कम है। भारत की सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी की वित्तीय वर्ष 24 का ऑपरेशनल रेवेन्यू 64,259 करोड़ रुपये रही। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सर्वेक्षण में टीसीएस का जुलाई-सितंबर लाभ 12,420 करोड़ रुपये और राजस्व 63,938 करोड़ रुपये अनुमानित किया गया था। टीसीएस ने 10 रुपये प्रति शेयर का दूसरा अंतरिम लाभांश भी घोषित किया है। कंपनी ने पहले ही शुक्रवार, 18 अक्टूबर 2024 को रिकॉर्ड तिथि के रूप में निर्धारित किया है ताकि शेयरधारकों की पात्रता तय की जा सके। इससे पहले, कंपनी ने 19 जुलाई 2024 को 10 रुपये का अंतरिम लाभांश दिया था। आईटी प्रमुख की ऑपरेटिंग मार्जिन 24.1 प्रतिशत रही, जो पिछली तिमाही के 24.7 प्रतिशत से कम है। शुद्ध मार्जिन 18.5 प्रतिशत रहा। टीसीएस ने तिमाही के दौरान 5,726 कर्मचारियों को जोड़ा। एचवी वित्तीय वर्ष 25 के अनुसार टीसीएस ने एक साल की कम भर्ती के बाद लगभग 11,000 सहयोगियों को जोड़ा। विश्लेषकों ने उम्मीद की थी कि टाटा समूह की इस आईटी दिग्गज की आय प्रमुख सौदों के बढ़ने से प्रेरित होगी।

अमेरिका में बेरोजगारी लाभ के लिए आवेदनों की संख्या बढ़कर उच्चतम स्तर पर

वाशिंगटन । अमेरिका में बेरोजगारी लाभ के लिए आवेदन करने वालों की संख्या पिछले सप्ताह उछलकर साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। विश्लेषकों का कहना है कि इसका कारण संभवतः श्रम बाजार में नरमी के बजाय चक्रवात हेलेन और बोइंग में कर्मचारियों की हड़ताल है। श्रम विभाग ने कहा कि तीन अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में बेरोजगारी लाभ के लिए आवेदनों की संख्या 33,000 बढ़कर 2,58,000 हो गई। यह पांच अगस्त, 2023 के बाद से सबसे अधिक है। साथ ही यह विश्लेषकों के 2,29,000 के अनुमान से कहीं अधिक है। विश्लेषकों ने कहा कि चक्रवात हेलेन से प्रभावित फ्लोरिडा, उत्तरी कैरोलिना, दक्षिण कैरोलिना और टेनेसी सहित अन्य राज्यों में बेरोजगारी लाभ के लिए आवेदनों की संख्या बढ़ी है। ऑक्सफोर्ड इकनॉमिक्स की प्रमुख अमेरिकी अर्थशास्त्री नैन्सी वैंडेन ह्यूटन ने कहा कि तूफान हेलेन और मिल्टन के साथ-साथ बोइंग हड़ताल से प्रभावित राज्यों में बेरोजगारी लाभ के दावों में वृद्धि की संभावना है और यह तब तक रहेगा जबकि इसका असर समाप्त नहीं हो जाता। उन्होंने कहा कि हालांकि, हमें लगता है कि फेडरल रिजर्व इन प्रभावों को अस्थायी मानेगा और उम्मीद है कि नवंबर की बैठक में वह नीतिगत दर में 0.25 प्रतिशत की कमी करेगा।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान कंपनियों के तिमाही परिणाम उम्मीद के अनुसार नहीं रहने और विदेशी निवेशकों की निकासी बढ़ने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 0.28 फीसदी करीब 230.05 अंक नीचे आकर 81,381.36 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्राकर 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 0.14 फीसदी तकरीबन 34.20 अंक नीचे आकर 24,964.25 के स्तर पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में टीसीएस का शेयर सबसे ज्यादा 1.84 फीसदी गिरा। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुती, आईसीआईसीआई बैंक, पावर ग्रिड, एक्सिस बैंक, अदाणी पोर्ट्स, एचडीएफसी बैंक के शेयरों में गिरावट रही। वहीं दूसरी ओर एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, जेएसडब्ल्यू स्टील, हिन्दुस्तान यूनिलीवर, इन्फोसिस, टाइटन, सन फार्मा, टाटा स्टील, एलएंडटी और भारती एयरटेल के शेयर ऊपर आये हैं। वहीं

गत दिवस बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 39.55 अंकों की गिरावट के साथ 81,571 पर खुला, जबकि निफ्टी 50 39.05 अंक गिरकर 24,959 पर कारोबार करता देखा गया। दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशिया क्षेत्र में बाजारों ने वॉल स्ट्रीट के प्रदर्शन से अलग हटकर ज्यादातर ऊंचाई पर शुरुआत की। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.3 फीसदी बढ़ा जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.8 फीसदी बढ़ा। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी-एएसएक्स 200, ट्रेंड से हटते हुए 0.19 फीसदी गिरा। वहीं हांगकांग के बाजार आज समारोह के कारण बंद रहे। इसके अलावा बैंक ऑफ कोरिया ने अक्टूबर बैठक में अपने बेस रेट में 25 बेसिस अंक की कटौती करते हुए इसे 3.25 फीसदी कर दिया। यह मई 2020 के बाद पहली कटौती है, जैसा कि अपेक्षित था। यह फैसला कम होती महंगाई के चलते लिया गया, जिसमें सितंबर का रेट घटकर 1.6 फीसदी पर आ गया।

ओपन एंडेड इक्विटी म्यूचल फंड्स के निवेश में दर्ज की गई गिरावट

नई दिल्ली ।

इक्विटी म्युचुअल फंड्स में निवेश के लिहाज से सितंबर लो परफॉर्मेंस वाला महीना बन गया। इस महीने ओपन एंडेड इक्विटी म्युचुअल फंड में हुए निवेश में करीब 10 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। सितंबर में ओपन एंडेड इक्विटी म्युचुअल फंड्स में कुल 34,419 करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जो अगस्त की तुलना में करीब 10 प्रतिशत कम है। ये जानकारी एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स ऑफ इंडिया (एएमएफआई) द्वारा जारी आंकड़ों में दी गई है।

आंकड़ों के मुताबिक सितंबर में शेयर बाजार में तेजी आने के बावजूद इक्विटी फंड्स में निवेश में कमी आ गई। सितंबर के महीने में स्टॉक मार्केट में 2 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई थी। इस अवधि में सेंसेक्स 2.4 प्रतिशत उछल गया था, जबकि निफ्टी ने 2.3 प्रतिशत की मजबूती दिखाई थी। जुलाई के बाद सितंबर के महीने में ही शेयर बाजार के संवेदी सूचकांकों में सबसे अधिक तेजी दर्ज की गई। इसके बावजूद ओपन एंडेड इक्विटी म्युचुअल फंड्स में होने वाले निवेश में गिरावट आ गई।

हालांकि एएमएफआई द्वारा दिए जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए म्यूचुअल फंड्स स्कीम्स में होने वाले निवेश में सितंबर के महीने में तेजी आई।

इस दौरान एसआईपी के जरिए होने वाला मासिक निवेश 24,508.73 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया, जबकि अगस्त के महीने में इस माध्यम से म्युचुअल फंड्स में 23,547.34 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था। आंकड़ों के अनुसार सितंबर के महीने में एसआईपी का एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) भी बढ़ कर 13.82 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।

इसके पहले अगस्त के महीने में एसआईपी का एसेट अंडर मैनेजमेंट 13.39 लाख करोड़ रुपये था। सितंबर के महीने में म्युचुअल फंड्स के यूनिक इन्वेस्टर्स की संख्या भी 5.01 करोड़ के स्तर को पार कर गई है, जबकि इन्वेस्टमेंट फोलियो की संख्या 21 करोड़ के स्तर को पार कर गई। ये अभी तक का सबसे ऊंचा स्तर है।

दो पहिया वाहन मध्यम वर्ग के ज्यादातर घरों में मौजूद

-ये हैं पांच बाइक्स जिनका है भारतीय बाजार पर कब्जा

नई दिल्ली । भारत में दो पहिया वाहन मध्यम वर्ग के ज्यादातर घरों में मौजूद है। पिछले कुछ सालों में इसकी मांग में अच्छा-खासा इजाफा हुआ है। हम टॉप-5 ऐसे दोपहिया वाहनों की बिक्री की बात करेंगे, जिनका बाजार पर सबसे ज्यादा कब्जा है। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैनुफैक्चरर्स (एसआईएएम) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार इस साल जून में हीरो स्प्लेंडर प्लस की बिक्री सबसे अधिक हुई। इस महीने में इसकी 2,84,190 यूनिट बिकी, जो पिछले साल की तुलना में 33.9 प्रतिशत का उछाल है और मई से 2.6 प्रतिशत ज्यादा है। लिस्ट में दूसरे नंबर पर होंडा शाइन 125 सीसी की बाइक है, जिसकी जून 2024 में 1,39,587 यूनिट बिक्री हुई। यह पिछले साल की तुलना में 40.6 प्रतिशत और पिछले महीने की तुलना में 9.9 प्रतिशत अधिक है। हीरो एचएफ डीलक्स 89,941 यूनिट की बिक्री के साथ टॉप तीन में जगह बनाने में कामयाब रही है। यह पिछले साल की तुलना में 0.7 प्रतिशत अधिक और पिछले महीने के मुकाबले 3.2 प्रतिशत अधिक है। बजाज पल्सर 125 सीसी की बिक्री में गिरावट दर्ज की गई है। पिछले साल की तुलना में 5.2 प्रतिशत की गिरावट और पिछले महीने की तुलना में 14.1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

रिकॉर्ड से भरे पहले टेस्ट मैच में इंग्लैंड की पाकिस्तान पर बड़ी जीत

मुल्तान (एजेंसी)। इंग्लैंड ने कुछ नए रिकॉर्ड का गवाह रहे पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में शुक्रवार को यहां पाकिस्तान को पारी और 47 रन से हराकर तीन मैच की श्रृंखला में शुरुआती बढ़त हासिल की। पाकिस्तान की टीम मैच के पांचवें और अंतिम दिन पहले सत्र में 220 रन पर आउट हो गई। उसकी तरफ से सलमान अली आगा (63) और अमीर जमाल (नाबाद 55) ने अर्धशतक जमाए लेकिन इससे वे हार का अंतर ही कम कर पाए।

अबरार अहमद बुखार होने के कारण बल्लेबाजी के लिए नहीं आए। पाकिस्तान पहली ऐसी टीम बन गई है जिसे पहली पारी में 500 से अधिक रन बनाने के बावजूद पारी के अंतर से हार का सामना करना पड़ा। पाकिस्तान ने अपनी पहली पारी में 556 रन बनाए थे जिसके जवाब में इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी सात विकेट पर 823 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी।

बाएं हाथ के स्पिनर जैक लीच ने अंतिम दिन तीनों विकेट हासिल किए। उन्होंने कुल 30 रन देकर चार विकेट लिए। इससे पहले मैच के चौथे दिन शाम के सत्र में तेज गेंदबाज गस एटकिंसन और ब्रायडन कार्स ने पाकिस्तान का शीर्ष क्रम चरमराया था। पाकिस्तान ने सुबह छह विकेट पर 152 रन से आगे खेलना शुरू किया। सलमान और जमाल ने पहले एक घंटे में कोई विकेट नहीं गिरने दिया और सातवें विकेट के लिए 109 रन की साझेदारी की।

लीच ने सलमान को पगबाधा आउट करके यह साझेदारी तोड़ी और फिर पुछल्ले बल्लेबाजों शाहीन शाह अफरीदी और नसीम शाह को आउट करने में देर नहीं लगाई। इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में टेस्ट क्रिकेट का चौथा सबसे बड़ा स्कोर बनाया। उसकी तरफ से हैरी ब्रूक ने 317 और जो रूट ने 262 रन बनाए। इन दोनों टीमों के बीच दूसरा टेस्ट मैच मंगलवार से मुल्तान में ही खेला जाएगा जबकि तीसरा और अंतिम टेस्ट मैच 24 अक्टूबर से रावलपिंडी में होगा।

शंघाई में मचाक ने कार्लोस अल्काराज़ को हराया, वुहान में सबालेंका आगे बढ़ी

शंघाई (एजेंसी)। विश्व में दूसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज़ का 12 मैचों से चला आ रहा जीत का सिलसिला शंघाई मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में टॉमस मचाक से 7-6 (5), 7-5 हार के साथ समाप्त हो गया। चेक गणराज्य के विश्व में 33वें नंबर के खिलाड़ी मचाक का टूर स्तर पर यह केवल तीसरा क्वार्टर फाइनल मैच था जबकि अल्काराज चार बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन है। मचाक सेमीफाइनल में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर का सामना करेंगे। सिनर ने पांचवीं रैंकिंग के दानिल मेदवेदेव को सीधे सेटों में हराकर इस सत्र में पांचवीं बार एटीपी मास्टर्स टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई।

उन्होंने सिर्फ एक ब्रेक प्वाइंट का सामना किया और रूसी खिलाड़ी को 6-1, 6-4 से शिकस्त दी। वहीं आर्यना सबालेंका ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 35वें स्थान पर काबिज यूलिया पुतिनत्सेवा को 1-6, 6-4, 6-0 से हराकर वुहान ओपन में अपना अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखा। बेलारूस की इस खिलाड़ी का इस जीत से डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंचना भी सुनिश्चित हो गया। वह इगा स्वियातेक की जगह विश्व की नंबर एक खिलाड़ी बनेंगी। स्वियातेक ने व्यक्तिगत कारणों से इस टूर्नामेंट में भाग नहीं लिया।

कोको गॉफ ने एक घंटे से ज्यादा चले मुकाबले में 17वीं रैंकिंग की मार्टा कास्तयुक को 6-4, 6-1 से शिकस्त देकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। गॉफ का सामना 45वीं रैंकिंग की माग्दा लिनेटे से होगा जिन्होंने आठवीं वरीयता प्राप्त दारिया कसातकिना को 6-2, 6-3 से हराया। तीसरी रैंकिंग जेसिका पेगुला को 51वीं रैंकिंग की वांग जिन्यु से 3-6, 5-7 से हार का सामना करना पड़ा। हेली बाप्टिस्टे को इकेटरीना एलेक्सांद्रोवा ने 6-1, 6-1 से पराजित किया। पेरिस ओलंपिक की स्वर्ण पदक विजेता झेंग किनवेन ने लेला फर्नांडिज को 5-7, 6-3, 6-0 से और छठी रैंकिंग की जैस्मिन पाओलिनी ने एरिका आंद्रीवा को 6-3, 6-2 से शिकस्त दी।

रणजी ट्रॉफी : सलामी बल्लेबाज सुदीप चटर्जी का शतक, बंगाल के 7 विकेट पर 269 रन

लखनऊ (एजेंसी)। बंगाल ने सलामी बल्लेबाज सुदीप चटर्जी (116 रन) के शतक और सुदीप कुमार घरामी (90 रन) के अर्धशतकों की बदौलत शुक्रवार को यहां रणजी ट्रॉफी ग्रुप सी मैच के पहले दिन स्टंप तक उत्तर प्रदेश के खिलाफ सात विकेट पर 269 रन बनाए। बंगाल के कप्तान अनुस्तुप मजूमदार ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी।

सलामी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन (05) के लिए दिन अच्छा नहीं रहा, वह यश दयाल की गेंद पर कप्तान और विकेटकीपर आर्यन जुयाल को कैच देकर पवेलियन पहुंच गये। इसके बाद दोनों सुदीप (चटर्जी और घरामी) ने मिलकर शानदार शतकीय साझेदारी निभाकर अच्छे स्कोर की नींव रखी। दोनों दूसरे विकेट के लिए 198 रन की साझेदारी निभाकर अच्छी स्थिति में थे लेकिन उत्तर प्रदेश के विप्रज निगम (59 रन देकर चार विकेट) ने सुदीप घरामी को विकेटकीपर के हाथों कैच आउट कराया।

सुदीप घरामी ने 161 गेंद की पारी में 11 चौके और एक छक्का लगाया। इसके बाद बंगाल ने लगातार चार विकेट गंवाये। सुदीप चटर्जी आउट होने वाले छठे बल्लेबाज रहे, उन्होंने 116 रन की शतकीय पारी के दौरान नौ चौके और एक छक्का जड़ा। स्टंप तक शाहबाज अहमद 26 रन बनाकर खेल रहे थे जबकि सूरज सिंधु जायसवाल ने अभी खाता नहीं खोला है।

'पृथ्वी शॉ एक डार्क हॉर्स हैं' : बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए पूर्व भारतीय चयनकर्ता की बोल्ड पिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पास टेस्ट मैचों में ओपनिंग कॉम्बिनेशन है लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी 5 टेस्ट मैचों की सीरीज में टीम में रिजर्व ओपनर होने की संभावना है। यह अगले महीने से शुरू होने वाला एक लंबा दौरा है और पुरुष सीनियर चयन समिति स्क्वाड को अंतिम रूप देते समय सभी आधारों को कवर करना चाहेगी। रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल अच्छी फॉर्म में है, लेकिन जरूरत पड़ने पर रिजर्व ओपनर तैयार रखना महत्वपूर्ण है।

रोहित शर्मा के व्यक्तिगत कारणों से एक टेस्ट से बाहर होने की खबरों के साथ अजीत अगरकर एंड कंपनी इस भूमिका के लिए संभावित उम्मीदवारों पर कड़ी नजर रखेंगी। अभिमन्यु ईश्वरन, रुतुराज गायकवाड़ और साई सुदर्शन कुछ विकल्प है, लेकिन भारत के पूर्व चयनकर्ता जतिन परांजपे ने सूची में एक बहुत ही दिलचस्प नाम जोड़ा है। परांजपे का मानना है कि अपनी आक्रामक शैली और तेजी से रन बनाने के लिए मशहूर पृथ्वी शॉ शीर्ष क्रम में एक अलग गतिशीलता जोड़ते है और उन्हें लगता है कि वह डॉर्क हॉर्स है।

उन्होंने कहा, 'शुभमन गिल शायद तीसरे सलामी बल्लेबाज के लिए एक अच्छा विकल्प है क्योंकि वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते है और पारी की शुरुआत भी कर सकते है। हालांकि मै स्थिति के आधार पर तीसरे सलामी बल्लेबाज की भूमिका के लिए केएल राहुल पर भी विचार करूंगा। हर कोई रन बना रहा है। ईश्वरन भी अच्छा कर रहे है। एक ऐसा डॉर्क हॉर्स भी है जिसके बारे में कोई बात नहीं कर रहा है और वह पृथ्वी शॉ है। यह घरेलू सीजन शॉ के लिए महत्वपूर्ण होगा।'

दिलचस्प बात यह है कि शॉ ने भारत के लिए आखिरी टेस्ट 2020 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड में खेला था। उन्होंने पांच टेस्ट खेले है, जिसमें उन्होंने 42.37 की औसत से 339 रन बनाए है, जिसमें एक शतक और दो अर्द्धशतक शामिल है। आक्रामक सलामी बल्लेबाज ने 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 134 रन बनाकर शानदार शुरुआत की और 18 साल की उम्र में डेब्यू पर शतक बनाने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय बन गए। उसके बाद से उनका करियर आसान नहीं रहा है क्योंकि चोटों, फॉर्म और मैदान के बाहर की चिंताओं के कारण उन्हें कई झटके लगे है।

अब आगामी रणजी ट्रॉफी सीजन में शॉ चयनकर्ताओं को प्रभावित करना चाहेंगे। परांजपे ने कहा, 'अगर पृथ्वी शॉ का सीजन अच्छा रहा तो वह रेस में शामिल हो जाएंगे। मुझे लगता है कि वह देश के सबसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी है, लेकिन कड़ी प्रतिस्पर्धा है और जो भी उस समय सबसे अच्छी फॉर्म में होगा, उसे चुना जाएगा।'

जयपुर पिंक पैंथर्स ने अर्जुन देशवाल को कप्तान बनाया

जयपुर। स्टार रेडर अर्जुन देशवाल को जयपुर पिंक पैंथर्स ने प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 11वें सत्र के लिए कप्तान बनाया है। देशवाल ने फ्रेंचाइजी की ओर से अपने पहले सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए 268 अंक हासिल किए और अगले सत्र में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 296 और 278 अंक बटोरे। उनके प्रदर्शन से टीम को 9वें सत्र में खिताबी जीत मिली जबकि 10वें सत्र में वह सेमीफाइनल में पहुंची। वहीं कप्तान बनाये जाने से उत्साहित इस खिलाड़ी ने कहा, मैं पीकेएल में एक और रोमांचक सत्र की उम्मीद करता हूं। टीम कड़ी मेहनत कर रही है और मैं इस टीम को आगे ले जाने के पूरे प्रयास अपनी ओर से करुंगा। उम्मीद है कि इस बार मैं जयपुर पिंक पैंथर्स को तीसरी बार ट्रॉफी दिला सकूंगा। पिंक पैंथर्स अब 20 अक्टूबर को हैदराबाद के गाचीबावली इंडोर स्टेडियम में बंगाल वॉरियर्स के खिलाफ मुकाबले में नजर आयेगी।

रोहित ने एक शो में भारतीय टीम के पहले प्रशंसक के बारे में बताया

मुम्बई। भारतीय टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने एक शो के दौरान टीम के सबसे पहले प्रशंसक के बारे में बताया है। इस शो में रोहित के साथ अन्य क्रिकेटर अक्षर पटेल, शिवम दुबे और अर्शदीप सिंह और सूर्यकुमार यादव भी थे। इस दौरान खिलाड़ियों ने जमकर हंसीमजाक करने के साथ ही कई किस्से भी सुनाये। ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर आने वाले इस कॉमेडी शो में आये भारतीय टीम के प्रशंसक सुधीर कुमार की रोहित ने जमकर प्रशंसा की। सुधीर इस कॉमेडी शो में उसी अंदाज में आए थे, जैसे भारतीय क्रिकेट टीम का मैच देखने जाते हैं. उन्होंने अपने चेहरे पर तिरंगा पेंट किया हुआ था और हाथों में शंख था। उनकी बात होते ही कप्तान रोहित ने कहा, 'इनके बारे में मैं बताता हूं. सुधीर हमारी टीम के पहले प्रशंसक है। जब भी हमारी टीम बस स्टेडियम में आती है, शंख बजता है. जब भी बाउंड्री लगती है या छक्का लगता है या विरोधी के विकेट गिरते है तो इनका शंख बजता है।' रोहित की इस बात पर सभी तालिया बजाने लगते हैं। वहीं सुधीर कहते है, 'ये शंख नहीं, ये है जंग-ए-ऐलान, टीम इंडिया सबसे महान.' इसके बाद सुधीर अपने ही अंदाज में शंख बजाते हैं।

ऑस्ट्रेलिया को लगा झटका, बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से बाहर हो सकता है यह बड़ा प्लेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन पीठ की सर्जरी के कारण 22 नवंबर से पर्थ में भारत के खिलाफ शुरू होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से बाहर हो सकते है। ग्रीन को पीठ के निचले हिस्से में तनाव फ्रैक्चर का पता चला था, जिसके कारण वह इंग्लैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की एकदिवसीय श्रृंखला में भाग नहीं ले पाए थे।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ऑलराउंडर ने गुरुवार देर रात ऑस्ट्रेलियाई टीम के अधिकारियों से अपने विकल्पों पर चर्चा की और कई दिनों के परामर्श और विश्लेषण के बाद उन्हें सर्जरी या पुनर्वास में से एक विकल्प दिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया, 'ग्रीन आने वाले दिनों में यह तय करेंगे कि उन्हें अपनी रीढ़ की हड्डी पर वैसी ही चिकित्सा प्रक्रिया करवानी है या नहीं, जैसी कि तेज गेंदबाज जेम्स पैटिंसन, जेसन बेहरेनडॉर्फ और बेन ड्वार्शिस ने पहले करवाई है।'

क्राइस्टचर्च के अग्रणी सर्जन ग्राहम इंगलिस और रोवन शाउटन द्वारा किया गया कि यह ऑपरेशन ग्रीन को कई महीनों तक खेलने से रोकेगा क्योंकि इसमें कशेरुकाओं को एक साथ बांधने के लिए स्क्रू और टाइटेनियम तार का इस्तेमाल किया जाता है। 2020 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले ग्रीन मार्च में वेलिंगटन में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में नाबाद 174 रनों की करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेलने के बाद प्लेयर ऑफ द मैच बने थे। 28 टेस्ट में ग्रीन का बल्लेबाजी औसत 48.57 है, इसके अलावा उन्होंने 35 विकेट भी लिए हैं।

उनकी अनुपस्थिति में मिशेल मार्श को गेंदबाजी का कार्यभार संभालना पड़ सकता है, जबकि स्टीव स्मिथ चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए वापस आ सकते हैं। मार्कस हैरिस, कैमरून बैनक्रॉफ्ट, मैथ्यू रेनशॉ, निक मैडिनसन या किशोर बल्लेबाज सैम कोंस्टास भी उस्मान ख्वाजा के साथ बल्लेबाजी की शुरुआत करने के लिए तैयार है। ऑस्ट्रेलिया को 22 नवंबर को पर्थ स्टेडियम में शुरू होने वाले पहले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट से पहले ब्रिसबेन और मैके में भारत 'ए' के खिलाफ तीन और शेफील्ड शील्ड मैच और दो 'ए' टीम गेम खेलने है।

तीसरा टी20 जीतकर क्लीन स्वीप करने उतरेगी भारतीय टीम

हैदराबाद। भारतीय क्रिकेट टीम यहां के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में शनिवार को बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले तीसरे और अंतिम टी20 मैच को जीतकर सीरीज में 3-0 से जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने पहले और दूसरे मैच जीतकर पहले ही सीरीज में 2-0 की बढ़त बनायी हुई है। ऐसे में उसका लक्ष्य तीसरा मैच भी जीतना रहेगा। इसमें कुछ युवा खिलाड़ियों को भी अवसर दिया जा सकता है। भारतीय टीम के खिलाड़ियों ने पहले मैच में ग्वालियर और दूसरे मैच में दिल्ली में जीत दर्ज की थी। अब वह टी20 सीरीज में भी 3-0 से जीत दर्ज करने में कोई कमी नहीं रखेगी। टीम प्रबंधन इस मैच में युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव और स्पिनर वरुण चक्रवर्ती सहित अन्य युवाओं के प्रदर्शन पर भी नजर रखेगा जिससे कि भविष्य के मुकाबलों के लिए इन्हें तैयार किया जा सके। मयंक आईपीएल 2024 के बाद चोटिल होने के कारण अधिकतर मैचों में नहीं खेल पाए थे पर इस सीरीज में उन्होंने 150 किलोमीटर की रफ्तार से गेंदबाजी करके अपने कौशल का अच्छा नमूना पेश किया है। वहीं वरुण ने ग्वालियर में पहले मैच में तीन विकेट अच्छी वापसी की थी। वहीं टीम प्रबंधन ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी के प्रदर्शन पर भी नजरें रहेंगी। नीतीश ने दिल्ली में दूसरे टी20 मैच में 34 गेंद पर 74 रन की आक्रामक पारी के साथ ही दो विकेट लिए। पहले दो मैच में संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी असफल रही थी। सैमसन अब तक के मैचों में रन नहीं बना पाये हैं। ऐसे में उनकी जगह किसी अन्य को अवसर दिया जा सकता है।

ऑल इंडिया सब जूनियर बैडमिंटन टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा जयपुर

नई दिल्ली। ऑल इंडिया सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट 4 नवंबर से राजस्थान की राजधानी जयपुर में खेला जाएगा। इसकी मेजबानी राजस्थान बैडमिंटन एसोसिएशन करेगा। वहीं पूरे आयोजन पर बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया की नजरें लगी रहेंगी। 4 से 12 नवंबर तक होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाइंग दौर के मुकाबले 4 से 8 नवंबर और मेन ड्रा 9 से 12 नवंबर तक होंगे। टूर्नामेंट के मुकाबले सवाई मानसिंह स्टेडियम के इंडोर बैडमिंटन हाल में खेले जाएंगे। इसमें कुल 6 लाख रुपए ईनामी राशि रखी जाएगी। टूर्नामेंट में बीएस 17 से लेकर एक्स डी 17 तक की 10 कैटेगरी हैं इनमें विजेताओं को 29 हजार से 31 हजार की ईनामी राशि दी जाएगी जबकि उपविजेता को 14,500 से 15 हजार तक की राशि मिलेगी। टूर्नामेंट में खिलाड़ी बॉयज सिंगल, गर्ल सिंगल, बॉयज डबल, गर्ल्स डबल, मिक्सड डबल वर्ग में अंडर 16 और अंडर 17 वर्ग में भाग लेंगे। इस टूर्नामेंट से युवा प्रतिभाएं सामने आयेंगी।

हिमा दास को डोपिंक के आरोपों में मिली क्लीन चिट, नाडा के एडीएपी ने लगाई अनुशासनात्मक पैनल के फैसले पर मुहर

नई दिल्ली। भारत की स्टार धाविका हिमा दास को नाडा के डोपिंग रोधी अपील पैनल यानी एडीएपी से मंजूरी मिल गई है। एडीएपी ने हिमा को 12 महीनों में 3 बार ठिकाने की जानकारी नहीं देने के कारण लगे डोपिंग के आरोपों से मुक्त कर दिया है। 24 वर्षीय हिमा को 2023 में नाडा ने 12 महीनों के दौरान तीन बार ठिकाने की जानकारी नहीं देने के कारण अस्थायी रूप से बैन कर दिया था। मार्च में सुनवाई के बाद डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल ने उन्हें बरी कर दिया था। वह 30 अप्रैल को बैंगलुरु में इंडियन ग्रैंड प्रिक्स 1 में 200 मीटर में प्रतिस्पर्धा में लौटीं। पीटीआई के रिपोर्ट के अनुसार, नाडा के डोपिंग रोधी अपील पैनल ने अपने 4 सितंबर के फैसले में हिमा दास को डोपिंग के आरोपों से मुक्त करने के अनुशासनात्मक पैनल के फैसले को बरकरार रखा। नाडा की वेबसाइट पर एडीएपी के फैसलों पर ताजा अपडेट में कहा गया है कि, एडीटीपी के आदेश को बरकरार रखा गया है। एथलीट को डोपिंग के आरोपों से मुक्त किया गया है। एंटी डोपिंग अनुशासनात्मक पैनल के निर्णय के खिलाफ अपील किसने की, इस बारे में कोई भी जानकारी उपलब्ध नहीं था, लेकिन संभावना है कि नाडा ने अपील शुरू की है क्योंकि निकाय ने पहले भी ऐसे मामलों में अपील की है जब निर्णय एथलीट्स के पक्ष में रहे थे।

भारतीय जेलों में शतरंज खेल रहे कैदी, फिडे प्रतियोगिता में जीते पदक

मुम्बई (एजेंसी)। शतरंज ओलंपियाड के बाद भारत के लिए एक और बड़ी उपलब्धि सामने आई है। कैदियों के लिए चौथी इंटरकांटिनेंटल ऑनलाइन शतरंज चैंपियनशिप में भोपाल और एलुरु के किशोर गृह में रखे गए खिलाड़ियों ने एक स्वर्ण और एक कांस्य जीता है। फिडे द्वारा ऑनलाइन करवाए जाते कार्यक्रम में 2 युवा टीमों के अलावा, दो और भारतीय टीमें पदक की दौड़ में थीं। यरवदा जेल की एक टीम पुरुष वर्ग में कांस्य पदक की लड़ाई में हार गई जबकि तिहाड़ जेल की एक महिला टीम रोमानिया की एक टीम से हार गई। इस वर्ष इस आयोजन में 115 देशों से टीमें थीं। इसमें भारत से 9 टीमों ने हिस्सा लिया था।

ग्रैंडमास्टर अभिजीत कुटे, जो भारत में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन द्वारा संचालित 'परिवर्तन-प्रिजन टू प्राइड' नामक कार्यक्रम का नेतृत्व करते हैं, ने जेल में कैदियों की स्थिति और शतरंज की शुरूआत पर अहम बातें कहीं। कुटे ने कहा कि कुछ कैदी बहुत बुरी स्थिति में थे। वे आपस में लड़ते रहते थे। लेकिन जब उन्होंने शतरंज खेलना शुरू किया तो यह काफी कम हो गया। क्योंकि उन्होंने सोचा कि शतरंज के बारे में सोचना बेहतर है और आगे क्या करना है... एक कैदी ने मुझे बताया कि वे बहुत खुश हैं क्योंकि जेल के बाहर के लोग उनके बारे में सोच रहे हैं। मुझे लगता है कि यह ऐसे किरदार है जिन्हें लगता है कि उनकी हर समय अपेक्षा की गई। लेकिन अब शतरंज उन्हें पहचान दे रही है। उन्हें वहां रहने का अब मकसद मिल गया है।

कुटे, जो ओलंपियाड में भारतीय महिला टीम के कोच थे और वर्तमान में लंदन में आयोजित ग्लोबल शतरंज लीग में पी.बी.जी. अलास्का नाइट्स की कप्तानी कर रहे हैं, का अनुमान है कि उन्होंने पिछली बार जिन 9-10 जेलों का दौरा किया था, उनमें उन्होंने लगभग 120 कैदियों को ट्रेनिंग दी है। अंतरराष्ट्रीय मास्टर ईशा करवाडे, सौम्या स्वामीनाथन और ग्रैंडमास्टर ललित बाबू भी इन्हें ट्रेनिंग दे चुके हैं।

कुटे ने ट्रेनिंग दौर पर बात करते कहा कि जब मैं पहली बार जेलों में गया तो बहुत विरोध हुआ। खिलाड़ियों, अधिकारियों ने विरोध किया। लेकिन जब मैं दूसरी बार गया तो जेलर, कैदी, पुलिस, हर कोई विजेता टीम के साथ तस्वीरें ले रहा था। यह पहली बार था जब मैंने देखा कि जेल अधिकारी और खिलाड़ी देश के लिए कुछ हासिल करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। वह एहसास ही मेरे लिए कुछ अलग था।

बहरहाल, भारत में लगभग 30 जेलें ऐसी हैं जहां यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय आयोजन के लिए योग्य उन 9 टीमों में से 4 पुरुष वर्ग में, 3 युवा वर्ग में और 2 महिला वर्ग में थीं। भारत की टीमों ने कैदियों के लिए इंटरकांटिनेंटल ऑनलाइन शतरंज चैंपियनशिप के पिछले दो संस्करणों में भी पदक जीते थे। अक्टूबर 2023 में, यरवदा सेंट्रल जेल टीम ने स्वर्ण पदक जीता था जबकि एक साल पहले उन्होंने कांस्य पदक जीता था।

समाचार गेट
TITLE CODE : HARHIN11569

स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रचना यादव द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर-6, नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादक: कृष्णा शर्मा। संपादकीय कार्यालय: मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) पीआरपी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकार: बृहस्पत शर्मा, 9818180269, ईमेल : krishna24news@gmail.com

रणवीर सिंह ने खुद को बताया टाइगर का बहुत बड़ा फैन

यंगेस्ट एक्शन सुपरस्टार टाइगर श्रॉफ की एक्टर रणवीर सिंह ने जमकर तारीफ की। रणवीर सिंह ने खुद को टाइगर का बहुत बड़ा फैन बताया और उन्हें अपना मैन क्रश कहा। रणवीर ने कहा, दुनिया में शायद टाइगर जैसा कोई नहीं है। वे माइकल जैक्सन की तरह डांस कर सकते हैं और ब्रूस ली की तरह फाइट कर सकते हैं। टाइगर ने अपने सोशल मीडिया पर ट्रेलर शेयर करते हुए लिखा, जस्ट ए टाइगर एंटरिंग द लायन डेन. ग्रेटफुल टू बी किकिंग एस अलोंगसाइड डीज लीजेंड्स। ट्रेलर के रिलीज होते ही उनके फैंस, जिन्हें टाइगेरियन के नाम से जाना जाता है, सोशल मीडिया पर उनकी एंट्री की सराहना करने लगे। एक यूजर ने लिखा, आवर मोस्ट फेवरेट एंड पावरफुल कॉप गूजबम्पस। जबकि दूसरे ने उन्हें बाप ऑफ बॉलीवुड कहकर पुकारा। टाइगर श्रॉफ की डेब्यू फिल्म हीरोपंती ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाते हुए 77.9 करोड़ रुपये की कमाई की थी, जबकि उनकी बागी 2 ने वर्ल्डवाइड 254.33 करोड़ रुपये की कमाई की थी। उनकी फिल्म वॉर ने बॉक्स ऑफिस पर 475.62 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया, जो 2019 की सबसे सफल फिल्मों में से एक बनी। टाइगर श्रॉफ रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन में अजय देवगन, अक्षय कुमार, रणवीर सिंह, अर्जुन कपूर, करीना कपूर, दीपिका पादुकोण जैसे बड़े सितारों के साथ नजर आएंगे। यह फिल्म 1 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा, टाइगर अपनी सुपरहिट फ्रेंचाइजी बागी 4 के लिए भी तैयार हैं। बता दें कि बॉलीवुड के यंगेस्ट एक्शन सुपरस्टार टाइगर श्रॉफ ने रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन से कॉप-यूनिवर्स में शानदार एंट्री की है। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर लॉन्च किया गया, जिसमें श्रॉफ की धमाकेदार एक्शन एंट्री ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

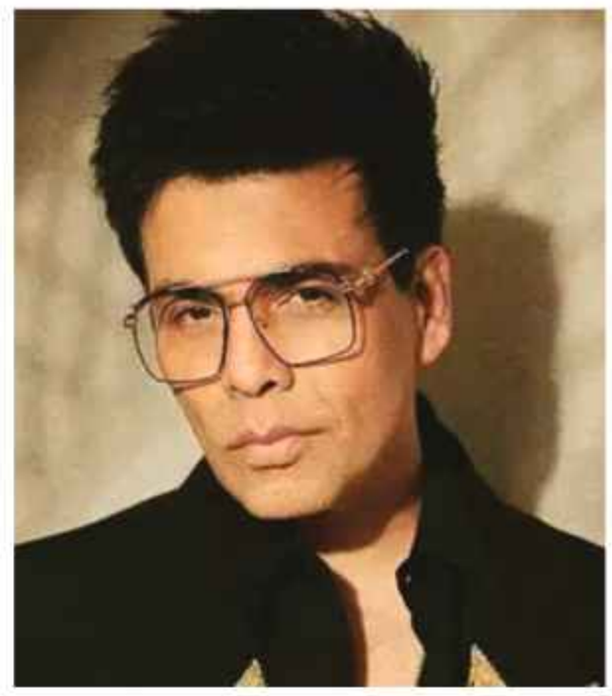

करण के शो द ट्रेटर्स को लेकर आ रही कई तरह की खबरें

मशहूर डायरेक्टर करण जौहर के अपकमिंग शो द ट्रेटर्स को लेकर रोजाना कई तरह की खबरें आ रही हैं। पहले शो के एलिमिनेशन से जुड़ी खबरें आईं, और अब खबर है कि शो का विनर अनाउंस हो गया है। जानकारी के मुताबिक, उर्फी जावेद ने द ट्रेटर्स जीत लिया है। हालांकि, अभी इस बारे में आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है और अधिक जानकारी का इंतजार है। द ट्रेटर्स का कॉन्सेप्ट पूरी तरह गेम प्ले पर आधारित है, जिसमें कंटेस्टेंट्स के निजी जीवन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। शो की शूटिंग राजस्थान के जैसलमेर में 12 दिनों तक की गई है। इस शो को करण जौहर होस्ट करेंगे, और इसमें कई जाने-माने चेहरे नजर आएंगे, जिनमें करण कुंद्रा, उर्फी जावेद, राज कुंद्रा, जन्नत जुबैर, महीप कपूर, सुधांशु पांडे, मुकेश छाबड़ा जैसे सेलेब्रिटी शामिल हैं। शो में पहले राज कुंद्रा और फिर करण कुंद्रा के एलिमिनेट होने की खबरें भी सामने आई थीं। यह शो जल्द ही अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने वाला है। उर्फी जावेद की जीत ने शो के दर्शकों में और भी उत्सुकता बढ़ा दी है। उर्फी जावेद की बात करें तो वह एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और एक्ट्रेस हैं, जो अपने बोल्ड फैशन सेंस और विवादित बयानों के कारण सुर्खियों में रहती हैं।

सुहाना सभी लोगों के साथ बेहद अच्छे से पेश आती हैं: वेदांग रैना

फिल्म 'जिगरा' के प्रमोशन के दौरान अभिनेता वेदांग रैना ने अपने पुराने को-स्टार्स सुहाना खान और खुशी कपूर के बारे में कुछ रोचक बातें साझा कीं। फिल्म के प्रमोशनल इवेंट के दौरान वेदांग एक सवाल के जवाब में वेदांग ने कहा कि सुहाना खान अपने आस-पास के सभी लोगों के साथ बेहद अच्छे से पेश आती हैं, और यह उनकी सबसे प्यारी आदत है। उन्होंने कहा कि सेट पर सुहाना हमेशा विनम्र और मददगार रही हैं, जिससे काम का माहौल और बेहतर हो जाता था। हालांकि, सुहाना की एक आदत वेदांग को थोड़ी नापसंद है, और वह है उनका मेकअप में बहुत समय लगाना। वेदांग ने मजाकिया अंदाज में बताया कि द आर्चीज की शूटिंग के दौरान सभी लड़के 15 मिनट में तैयार हो जाते थे, लेकिन सुहाना को तैयार होने में लगभग 40 मिनट का समय लगता था। कभी-कभी उनके मेकअप टीम के देरी से तैयार होने के कारण शूटिंग भी रुकी रहती थी। हालांकि, वेदांग ने साफ किया कि इसमें सुहाना की गलती नहीं थी, बल्कि उनके किरदार की मांग ही ऐसी थी। जब बात आई वेदांग की रूमर्ड गर्लफ्रेंड और को-स्टार खुशी कपूर की, तो उन्होंने खुशी की सबसे अच्छी आदत बताते हुए कहा कि वह बहुत पोलाइट और दूसरों के साथ बहुत सम्मानजनक व्यवहार करती हैं। वेदांग को खुशी का यह स्वभाव बहुत पसंद है, जो उन्हें बाकी लोगों से अलग बनाता है। हालांकि, खुशी की एक आदत वेदांग को कम पसंद है, और वह है उनका अपनी खुद की काबिलियत पर शक करना। वेदांग ने बताया कि खुशी कभी-कभी खुद पर भरोसा नहीं करतीं, जो उन्हें नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है।

वेदांग ने कहा कि खुशी में काफी प्रतिभा है, और उन्हें अपनी काबिलियत पर विश्वास रखना चाहिए। वेदांग रैना के ये बयान फिल्म 'जिगरा' के प्रमोशनल इवेंट्स के दौरान खूब चर्चा में रहे, और उनके फैंस ने भी उनकी ईमानदारी और बेबाकी की सराहना की। बता दें कि अभिनेता वेदांग रैना इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'जिगरा' को लेकर खूब चर्चा में हैं। यह उनकी दूसरी फिल्म है, जो 11 अक्टूबर को रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म में वेदांग रैना आलिया भट्ट के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे।

दर्शक के रूप में हम बहुत नकारात्मक हो गए: जूनियर एनटीआर

जूनियर एनटीआर और जाह्नवी कपूर की फिल्म देवरा ने अब तक दुनिया भर में 466 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है, इसके बावजूद फिल्म को उम्मीद के अनुसार रिस्पांस नहीं मिल पाया है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान, जूनियर एनटीआर ने फिल्म के खराब प्रदर्शन पर खुलकर बात की। उन्होंने फिल्म की असफलता का दोष दर्शकों पर मढ़ते हुए कहा, हम एक दर्शक के रूप में इन दिनों बहुत नकारात्मक हो गए हैं। हम अब एक अच्छे तरीके से फिल्म का आनंद नहीं ले पा रहे हैं। जब मैं अपने बेटों को देखता हूं, तो उन्हें इस बात की परवाह नहीं होती कि वे किस एक्टर या किस फिल्म को देख रहे हैं। वे सिर्फ फिल्मों का आनंद लेते हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे हैरानी होती है कि हम अब बच्चों की तरह क्यों नहीं हो सकते? आज हम हर फिल्म का विश्लेषण कर रहे हैं, निर्णय ले रहे हैं और बहुत ज्यादा सोच-विचार कर रहे हैं। शायद सिनेमा के प्रति हमारा जुड़ाव हमें ऐसा बना रहा है। देवरा का निर्देशन कोरटाला शिवा ने किया है, जिसमें जूनियर एनटीआर, सैफ अली खान और जाह्नवी कपूर प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म ब्लॉकबस्टर आरआरआर के दो साल बाद जूनियर एनटीआर की वापसी को चिह्नित करती है, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर इसका प्रदर्शन उम्मीदों से कमतर रहा है। बता दें कि फिल्म देवरा हाल ही में रिलीज हुई थी, जिसने शुरुआती दिनों में दमदार कमाई की और समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रियाएं प्राप्त कीं। हालांकि, अब फिल्म का क्रेज दर्शकों के बीच धीमा होता नजर आ रहा है।

एक्ट्रेस ज़रीन ने की सीटीआरएल की प्रशंसा

बालीवुड एक्ट्रेस ज़रीन खान ने फिल्म के बारे में अपने विचार अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा किए। एक्ट्रेस ने कहा सीटीआरएल इज ट्रूली ग्राउंडब्रेकिंग! कौंग्रेट्स टू मोटवायने फ़ॉर येट अगेन मेकिंग ए फिल्म दैट इज क्लोज टू होम. इट शेक्स यू फ्रॉम विदइन, मेक्स यू थिंक. अनन्या पांडे, यू आर टू गुड. वन ऑफ योर बेस्ट्स फ़ॉर श्योर. इससे पहले, अनुराग कश्यप, सामंथा रूथ प्रभु और जैसे कई सेलिब्रिटीज ने फिल्म पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए अपने-अपने सोशल मीडिया हैंडल का सहारा लिया। यह पहली बार नहीं है, जब ज़रीन ने अपने इंडस्ट्री के लोगों के काम की सराहना की है। अपने सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाली एक्ट्रेस ने अपने फैंस और फॉलोवर्स के साथ अपने एक्सप्रेशन और राय साझा करने में कभी संकोच नहीं किया। खान फिलहाल अपने फिटनेस वीडियो के लिए सुर्खियों में हैं, जिसने उनकी सिल्वर स्क्रीन वापसी को लेकर उत्साह बढ़ा दिया है। हाल ही में, आस्क मी एनीथिंग सेशन के दौरान, एक्ट्रेस ने वादा किया था कि उनके दर्शक उन्हें जल्द ही स्क्रीन पर देख पाएंगे। अभिनेत्री ने कथित तौर पर कुछ दिलचस्प प्रोजेक्ट साइन किए हैं, जिनकी घोषणा वह जल्द ही करेंगी। बता दें कि ज़रीन खान उन मशहूर हस्तियों की लिस्ट में शामिल हो गई हैं, जो विक्रमादित्य मोटवानी के लेटेस्ट प्रोजेक्ट सीटीआरएल की प्रशंसा कर रहे हैं।

फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स में नजर आएंगे रणबीर और नीतू कपूर

बालीवुड एक्टर स्वर्गीय ऋषि कपूर की पुत्री रिद्धिमा कपूर नेटफ्लिक्स के पॉपुलर शो फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स में पहली बार अपने जीवन को सार्वजनिक करने जा रही हैं। सुपरस्टार रणबीर कपूर और उनकी मां, दिग्गज अभिनेत्री नीतू कपूर, जल्द ही अपनी बहन रिद्धिमा कपूर को समर्थन देते हुए नजर आएंगे।

शो का ट्रेलर रिलीज किया गया, जो इस बार की प्रतिस्पर्धा में ओरिजिनल बॉलीवुड वाइव्स और तीन नए चेहरों—शालिनी पासी, कल्याणी साहा और रिद्धिमा के बीच होने वाली है। ट्रेलर में एक दिलचस्प टकराव को दर्शाया गया है, जिसमें मुंबई से दिल्ली का मुकाबला देखने को मिलेगा। ट्रेलर के कैप्शन में लिखा गया है- मुंबई से दिल्ली का जबरदस्त टकराव, आ रहा है 18 अक्टूबर को, सिर्फ नेटफ्लिक्स पर! ट्रेलर में रणबीर कपूर भी कुछ क्षणों के लिए दिखाई देते हैं, जहां वे मजाक करते हैं कि उनकी बहन रिद्धिमा शो को पूरी तरह से गड़बड़ कर देगी।

इस शो की पहली सीजन में नीलम कोठारी, महीप कपूर, भावना पांडे और सीमा किरण सजदेह की निजी और पेशेवर जिंदगी दिखाई गई थी। दूसरा सीजन सितंबर 2022 में आया था, जिसमें उनके पतियों को भी शामिल किया गया। इस नए सीजन में चंकी पांडे, समीर सोनी और संजय कपूर जैसे सितारे भी शामिल होंगे।

ट्रेलर में दिखाया गया है कि दर्शकों को ढेर सारा हंगामा, ड्रामा, और ग्लैमर देखने को मिलेगा, जब मुंबई की वाइव्स और दिल्ली की सोशलाइट्स के बीच शानदार टकराव होगा। ट्रेलर में नीतू और रिद्धिमा के बीच एक भावनात्मक बातचीत भी दिखती है, जिसमें वे अपने दिवंगत पिता ऋषि कपूर के निधन के बाद की जिंदगी पर चर्चा कर रही हैं। नीतू कहती हैं, पापा के बाद, रिद्धिमा, मैं कांपने लगी थी। रिद्धिमा जवाब में कहती हैं, हम अपनी भावनाएं जाहिर नहीं करते, लेकिन अंदर से हम अब भी दुखी हैं। यह नया सीजन रिद्धिमा के लिए एक विशेष अवसर है, जहां वह अपने जीवन के विभिन्न पहलुओं को साझा करेंगी।